S.V. UNIVERSITY, TIRUPATI
SVUCOLLEGE OF ARTS

DEPARTMENT OF HINDI

Re-Structured P.G. Programme (CBCS) as per NEP 2020,
National Higher Education Qualification Frame Work (NHEQF)
and Guidelines of APSCHE

(With effect from the batch of Students admitted from the academic year 2024-25)

M.A. HINDI

SEMESTER - I

S. No.	Course	Code	Name of the Course	H/W	C	SEE	IA	Total Marks
1	*CC	HIN 101	हिंदी साहित्य का इतिहास-1 (आदिकाल से रीतिकाल तक)	6	4	70	30	100
2		HIN 102	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य					
		HIN 103	आधुनिक हिंदी गद्य-1 (उपन्यास, कहानी)	6	4	70	30	100
3		HIN 104	हिंदी कथा साहित्य और हिंदी के प्रमुख कथाकार	6	4	70	30	100
		HIN 105	भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का इतिहास					
4	*SOC	HIN 106	पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम - 1(A) Or दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन - 1(B)	6	4	70	30	100
5		HIN 107	अनुवाद के सिद्धांत और प्रयोग - 2(A) Or साहित्यालोचन की दृष्टियाँ और प्रविधियाँ - 2(B)	6	4	70	30	100
			Total	**36**	**20**	**350**	**150**	**500**
6	Audit Course	HIN 108	Indian Knowledge Systems – 1 लोक साहित्य और तेलुगु लोक साहित्य और संस्कृति	6	0	0	100	0

- ***CC (Core Courses) - Student can choose any Three out of Five Core Courses**
- ***SOC (Skill Oriented Courses) – Student can choose one from each code**
- **Audit Course – Zero Credits but mandatory with only a Pass**

SEMESTER - II

S. No.	Course	Code	Name of the Course	H/W	C	SEE	IA	Total Marks
1	*CC	HIN 201	हिंदी साहित्य का इतिहास-II (आधुनिक काल)	6	4	70	30	100
2		HIN 202	आधुनिक हिंदी काव्य					
		HIN 203	आधुनिक हिंदी गद्य-II (नाटक, निबंध, यात्रा वृत्तांत, आत्मकथा, जीवनी)	6	4	70	30	100
3		HIN 204	हिंदी आलोचना साहित्य					
		HIN 205	भारतीय काव्य शास्त्र	6	4	70	30	100
4	*SOC	HIN 206	प्रयोजनमूलक हिन्दी और राजभाषा - 3(A) Or तुलनात्मक अध्ययनःहिंदी और तेलुगु साहित्यों का तुलनात्मक अध्ययन - 3(B)	6	4	70	30	100
5		HIN 207	व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण - 4(A) Or सम्प्रेषण कौशल और व्यक्तित्व विकास - 4(B)	6	4	70	30	100
6	*OOTC	HIN 208	Open Online Transdisciplinary Course – 1	-	2	-	100	100
			Total	**36**	**22**	**350**	**250**	**600**
7	Audit Course	HIN 209	Indian Knowledge Systems – 2 तिरुमल-तिरुपति पुण्य क्षेत्र और श्री वेंकटेश्वर	6	0	0	100	0

- ***CC (Core Courses) - Student can choose any Three out of Five core courses**
- ***SOC (Skill Oriented Courses) – Student can choose one from each code**
- ***OOTC (Open Online Transdisciplinary Course) - Students can choose any relevant course of his / her choice from the online courses offered by governmental agencies like SWAYAM, NPTEL, etc.,**
- **Audit Course – Zero Credits but mandatory with only a Pass**

SEMESTER - III								
S. No.	**Course**	**Code**	**Name of the Course**	**H/W**	**C**	**SEE**	**IA**	**Total Marks**
1	*CC	HIN 301	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	6	4	70	30	100
2		HIN 302	हिंदी प्रवासी साहित्य	6	4	70	30	100
		HIN 303	हिंदी विमर्शमूलक साहित्य	6	4	70	30	100
3		HIN 304	तेलुगु साहित्य का इतिहास					
		HIN 305	भारतीय साहित्य					
4	*SOC	HIN 306	भाषा शिक्षण के सिद्धांत और प्रयोग - 5(A) Or सिनेमा का अध्ययन - 5(B)	6	4	70	30	100
5		HIN 307	अनुसंधान के सिद्धांत और दृष्टियाँ - 6(A) Or पाठ विश्लेषण, लेखन और सम्प्रेषण - 6(B)	6	4	70	30	100
6	*OOTC	HIN 308	Open Online Transdisciplinary Course – 2	-	2	-	100	100
	Seminar/Tutorials/Remedial classes and Quiz as part of Internal Assessment			6	-	-	-	-
			Total	**36**	**22**	**350**	**250**	**600**

- ***CC (Core Courses) - Student can choose any Three out of Five core courses**
- ***SOC (Skill Oriented Courses) – Student can choose one from each code**
- ***OOTC (Open Online Transdisciplinary Course) - Students can choose any relevant course of his / her choice from the online courses offered by governmental agencies like SWAYAM, NPTEL, etc.,**

SEMESTER - IV								
S. No.	**Course**	**Code**	**Name of the Course**	**H/W**	**C**	**SEE**	**IA**	**Total Marks**
1	OOSDC	HIN 401	Open Online Skill Development Courses	-	8	-	200	200
2	PW	HIN 402	Project Work – Orientation Classes	24	12	300	0	300
	Conducting classes for competitive exams, communication skills, UGC / CSIR and NET / SLET examinations			12	-	-	-	-
			Total	**36**	**20**	**300**	**200**	**500**
Total Semesters				**144**	**84**	**1350**	**850**	**2200**

- Open Online Skill Development Course (OOSDC) - Students can choose any **Two** relevant courses of his / her choice from the online courses offered by governmental agencies like SWAYAM, NPTEL, etc., **to get 8 credits (with 4 credits from each course)**

SEMESTER – I

Core Course

HIN101: हिंदी साहित्य का इतिहास-1 (आदिकाल से रीतिकाल तक)

I. साहित्य का इतिहास-दर्शन, साहित्य के इतिहास-लेखन की पद्धतियाँ, हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल -विभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा।

II. आदिकालः आदिकालीन परिस्थितियाँ (सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक),सिद्ध और नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, आरंभिक गद्य और लौकिक साहित्य, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, भक्ति काव्य की पूर्व पीठिका ।

III. भक्तिकालःभक्ति आन्दोलन के उदय की पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण एवं सगुण संप्रदाय, प्रमुख संप्रदाय और आचार्य, भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरुप और उसका अंतःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।हिंदी निर्गुण भक्ति संप्रदाय-ज्ञान मार्गी शाखा-हिन्दी संत काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि- कबीर, नानक, दादू, रैदास : संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।प्रेम मार्गी शाखा-हिन्दी सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य - मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन, मलिक मोहम्मद जायसी, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरुप, हिंदी सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

IV. हिन्दी सगुण भक्ति संप्रदाय- कृष्ण भक्ति- विविध संप्रदाय, वल्लभ संप्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य-सूरदास, नंददास, मीराबाई, रसखान, भ्रमरगीत परंपरा और गीति परंपरा। राम भक्ति-हिन्दी राम काव्यःविविध संप्रदाय, राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य, तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्य रुप और उनका महत्व।

V. रीतिकालः सामाजिक- सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा), रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व, रीतिकाल के प्रमुख कवि : केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल, देव, घनानंद और पद्माकर ।

संदर्भ ग्रंथ -

1. हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचंद्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास-डॉ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।
4. इतिहास क्या है-ई.एच.कार, मैकमिलन पब्लिशर्स इंडिया लिमिटेड, चेन्नई।
5. साहित्य का इतिहास दर्शन-नलिनविलोचन शर्मा, बिहार-राष्ट्रभाषा-परिषद्, पटना।
6. हिंदी साहित्य की भूमिका-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।
7. हिंदी साहित्य इतिहास का आधा इतिहास-डॉ सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास-डॉ.विश्वनाथ त्रिपाठी, हिमायतनगर, हैदराबाद।
9. हिंदी साहित्य का आदिकाल-आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि-मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. भक्ति-आंदोलन और भक्ति काव्य-शिवकुमार मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
12. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. हिंदी साहित्य का इतिहास-डॉ.नगेन्द्र (सं.), मयूर पेपरबैक्स, उत्तरप्रदेश।

14. हिंदी साहित्य का अतीत (2 खंड)-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
15. हिंदी साहित्य का इतिहास- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
16. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास-डॉ.गणपति चन्द्र गुप्त, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
17. इतिहास-लेखन की समस्याएँ-नीलकांत (सं.), विभा प्रकाशन, इलाहाबाद ।
18. साहित्य का इतिहास दर्शन-जगदीश्वर चतुर्वदी, अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लिमिटेड, नई दिल्ली।
19. हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका-शंभुनाथ सिंह।
20. रीतिकाल की भूमिका-डॉ.नगेंद्र।
21. हिन्दी गद्य का इतिहास-रामचंद्र तिवारी।

Core Course

HIN102: प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

I. आदिकालीन कविता का इतिहास-कवि और काव्य:
   1. पृथ्वीराज रासो-(रेवातट)-चन्द बरदाई
   2. अमीर खुसरो-अमीर खुसरो की पहेलियाँ और मुकरियाँ
   3. विद्यापति की पदावली-सं.डॉ.नरेन्द्र झा-पद संख्या-(1 से 25 तक)

II. निर्गुण भक्ति काव्य :
   1. कबीरदास -कबीर-सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी-पद संख्या-(160 से 201 तक)
   2. मलिक मोहम्मद जायसी-जायसी ग्रंथावली-रामचन्द्र शुक्ल-(नागमती वियोग खण्ड)

III. सगुण भक्ति काव्य-राम भक्ति शाखा:
   1. तुलसीदास:भक्ति भावना, सामाजिक सांस्कृतिक दृष्टि, लोकमंगल, काव्यदृष्टि
   2. तुलसीदास: रामचरित मानस,(उत्तरकाण्ड)योगेन्द्र प्रतापसिंह

IV. सगुण भक्ति काव्य-कृष्ण भक्ति शाखा:
   1. सूरदास:भक्ति भावना, वात्सल्य वर्णन, गीति तत्व
   2. सूरदास:भ्रमरगीत सार, सं.रामचंद्र शुक्ल-पद संख्या (21 से 70 तक)
   3. मीरा बाई मीरा-सं विश्वनाथ त्रिपाठी-पद संख्या (1 से 20 तक)

V. रीति कालीन काव्य-रीतिसिद्ध -रीतिमुक्त कवि और काव्य
   1. बिहारीलाल:बिहारी रत्नाकर-सं.जगन्नाथदास रत्नाकर (1 से 50 दोहे
   2. घनानन्द- घनानन्द कवित-सं.विश्वनाथ प्रसाद तिवारी –(1 से 30)

पाठ्यपुस्तकें -

1. पृथ्वीराज रासों-(रेवा तट)27वॉ समय-संबिपिन बीहारी द्विवेदी-लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ।
2. खुसरो की हिन्दी कविता-ब्रजरत्नदास-नागरी प्रचारिणी सभा, वारणासी-अमीर खुसरो।
3. विद्यापति की पदावली-डॉ.नरेन्द्र झा-गुगल पर पी.डी.एफ उपलब्ध।
4. कबीर-हजारी प्रसाद द्विवेदी ।
5. जायसी ग्रंथावली-सं.रामचन्द्र शुक्ल-नागमति वियोग खण्ड-नागरी प्रचारिणी सभा, वारणासी।
6. भ्रमरगीत सार-सं.रामचन्द्र शुक्ल-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. रामचरित मानसःउत्तरकाण्ड-योगेन्द्र प्रताप सिंह-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. मीरा-सं.विश्वनाथ त्रिपाठी-वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. बिहारी रत्नाकर-सं.जगन्नाथ दास रत्नाकर-लोकभारती, इलाहाबाद।
10. घनानन्द कवित-विश्वनाथ प्रसाद तिवारी-सरस्वती मंदिर, बनारस।

संदर्भ ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल-आचार्य हजारी प्रसाद।
2. आदिकाल की प्रामाणिक रचनाएँ-गणपतिचन्द्र गुप्त।
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल-रणजीत।
4. आदिकालीन हिन्दी साहित्य-शम्भूनाथ पाण्डेय।
5. आदिकाल एवं भक्तिकाल के सामाजिक सांस्कृतिक आयाम-शम्भूनाथ पाण्डेय।
6. आदिकालीन और मध्यकालीन कवियों का आलोचनात्मक पाठ-हेमंत कुकरेती।
7. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान-श्याम मनोहर पाण्डेय।
8. मध्यकालीन धर्म साधना-हजारी प्रसाद द्विवेदी।
9. हिन्दी नवरत्न-गोपाल प्रधान।
10. भक्ति आंदोलनः इतिहास और संस्कृति-कुँवरपाल सिंह।
11. भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य-मैनेजर पाण्डेय।
12. भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार-गोपेश्वरसिंह।
13. भक्ति आंदोलन और काव्य-गोपेश्वरसिंह।
14. भक्ति आंदोलन के प्रेरणा स्त्रोत-मालिक मोहम्मद।
15. प्राचीन भारत में धर्म के सामाजिक आधार-रमेन्द्रनाथ नंदी।
16. भक्तिकाव्य की भूमिका-प्रेमशंकर।
17. भक्तिकाव्य का समाज शास्त्र-प्रेमशंकर।
18. भक्तिकाव्य का समाज दर्शन-प्रेमशंकर।
19. भक्तिकाव्य और लोकजीवन-शिवकुमार मिश्र।
20. भक्ति-आंदोलन और भक्ति काव्य-शिवकुमार मिश्र।
21. मध्यकालीन रचना और मूल्य-कमला प्रसाद।
22. मध्यकालीन साहित्य विमर्श-सुधासिंह।
23. भक्ति का संदर्भ-देवीशंकर अवस्थी।
24. भक्ति काव्य का उत्तरार्ध-देवीशंकर अवस्थी।
25. भक्ति-चेतना और हिन्दी काव्य-आनन्दप्रकाश दीक्षित।
26. भक्ति और भक्ति आंदोलन-डॉ.सेवासिंह।
27. रीतिकाव्य की इतिहास दृष्टि-सुधीन्द्र कुमार।
28. हिन्दी रीति साहित्य-भगीरथ मिश्र।
29. हिन्दी साहित्य की रीतिकाल का विश्लेषणात्मक इतिहास-भुवनेश्वर प्रसाद।

Core Course

HIN103: आधुनिक हिंदी गद्य-I (उपन्यास, कहानी)

I. 1. गोदान-प्रेमचंद।
   2. शेखर एक जीवनी (भाग-1)-अज्ञेय।

II. 1. बाणभट्ट की आत्मकथा-हजारीप्रसाद द्विवेदी।
   2. मैला आँचल-फणीश्वरनाथ रेणु।

III. 1. उसने कहा था-चंद्रधर शर्मा गुलेरी।
   2. आकाशदीप-जयशंकर प्रसाद ।
   3. अपना अपना भाग्य-जैनेन्द्र।
   4. ईदगाह-प्रेमचंद।
   5. सिक्का बदल गया-कृष्णा सोबती।
   6. लाल पान की बेगम-फणीश्वरनाथ रेणु।
   7. चीफ की दावत-भीष्म सहनी।
   9. भोलाराम का जीव-हरिशंकर परसाई ।

10. वापसी-उषा प्रियंवदा।
11. सलाम-ओमप्रकाश वाल्मीकि ।
12. यही सच है-मन्नू भंडारी।

IV. गल्प और इतिहास, कल्पना और यथार्थ,प्रेमचंद पूर्व हिन्दी उपन्यास-'परीक्षा गुरु' वस्तु औरशिल्प, प्रेमचंद युगीन उपन्यास-वस्तु-शिल्प-वैशिष्ट्य,प्रेमचंदोत्तर उपन्यास-वस्तु-शिल्पगत वैशिष्ट्य तथा आंचलिकता,हिन्दी में ऐतिहासिक उपन्यासों की परम्परा-सांस्कृतिक चेतना,वस्तु-शिल्पगत वैशिष्ट्

V. हिन्दी कहानी का आरंभ,वस्तु और शिल्प,प्रेमचंदोत्तर हिन्दी कहानी का वैशिष्ट्य,वस्तु और शिल नई कहानी की प्रवृतियाँ।

पाठ्यपुस्तकें –

1. परीक्षा गुरू-लाला श्रीनिवास दास-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. गोदान-प्रेमचन्द-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. शेखर एक जीवनी-अज्ञेय-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. मैला आँचल-फणीश्वरनाथ रेणु-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. बाणभट्ट की आत्मकथा-हजारीप्रसाद द्विवेदी-राजकमल प्रकाशन- नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ -

1. कहानी: नयी कहानी-नामवर सिंह।
2. उपन्यास और लोकजीवन-राल्फ फाक्स अनु. नरोत्तम नागर पी.पी.एच.।
3. प्रेमचंद व्यक्तित्व और कृतित्व -शचीरानी गुर्टू।
4. प्रेमचंद और उनका युग -रामविलास शर्मा।
5. उपन्यास का उदय -आयन वॉट।
6. उपन्यास स्थिति और गति-चंद्रकांत बांदिवदेडकर।
7. आधुनिक साहित्य और इतिहास बोध-नित्यानंद तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
8. आधुनिक हिन्दी उपन्यास और मानवीय अर्थवत्ता -नंदकिशोर नवल।
9. अधूरे साक्षात्कार-नेमिचंद्र जैन।
10. आस्था के चरण-नगेन्द्र।
11. उपन्यास का पुनर्जन्म-परमानन्द श्रीवास्तव।
12. हिन्दी उपन्यास-एक अतंर्यात्रा - रामदरश मिश्र।
13. औरों के बहाने-राजेन्द्र यादव।
14. एक दुनिया समानान्तर - राजेन्द्र यादव।
15. कहानी स्वरुप और संवेदना - राजेन्द्र यादव।
16. परिवर्तन और विकास के सांस्कृतिक आयाम - पूरनचंद जोशी।
17. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका - मैनेजर पाण्डेय।
18. साहित्य की मेरी पहचान - श्यामाचरण दुबे।
19. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर।
20. प्रगतिशील साहित्य के मानदण्ड - रांगेय राघव।
21. हिन्दी उपन्यास - सुरेश सिन्हा।
22. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय।
23. हिन्दी कहानी का इतिहास (तीन खंडों में) - गोपाल राय।
24. आधुनिकता - साहित्य के संदर्भ में - गंगाप्रसाद विमल।
25. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
26. नई कहानी : प्रकृति और पाठ - सुरेंद्र चौधरी।
27. हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश।
28. प्रेमचंद : चिंतन और कला - सं. इंद्रनाथ मदान।
29. आज की कहानी - विजय मोहन सिंह।
30. समय और साहित्य - विजय मोहन सिंह।
31. कथा समय में तीन हमसफर - निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

Core Course

HIN104: हिंदी कथा साहित्य और हिंदी के प्रमुख कथाकार

I. कथा साहित्य - अर्थ और स्वरूप- हिंदी में कथा साहित्य का उद्भव और विकास कथा साहित्य - उपन्यास और कहानी -उपन्यास और कहानी के तात्विक परिचय, उपन्यास और कहानी में अंतर-कथा साहित्य और जीवन यथार्थ-कथा साहित्य का प्रचलन।

II. हिंदी में कथा साहित्य-युग परिप्रेक्ष्य-हिंदी कथा साहित्य का प्रवृत्तिगत विकास हिंदी कथा साहित्य की प्रमुख धाराएँ- प्रगतिशील धारा-प्रगतिवादी धारा-मनोवैज्ञानिक धारा-ऐतिहासिक धारा-मिथकीय धारा- आंचलिक धारा-दलित कथा साहित्य धारा-नारीवादी कथा साहित्य धारा-मैनारिटीवादी कथा साहित्य धारा।

III. हिंदी के प्रमुख कथाकार और उन का हिंदी कथा साहित्य को योगदान : प्रगतिशील कथाकार - प्रेमचंद, जयशंकर प्रसाद (उपन्यास और कहानी साहित्य का संक्षिप्त परिचय)प्रगितवादी कथाकार-अमृतलाल नागर, भगवतिचरण वर्मा (उपन्यास और कहानी साहित्य का संक्षिप्त परिचय) मनोवैज्ञानिक कथाकार-जैनेंद्रकुमार, अज्ञेय, इलाचंद्रजोशी (उपन्यास और कहानी साहित्य का संक्षिप्त परिचय)।

IV. ऐतिहासिक कथाकार-विश्वंभरनाथ कौशिक- सेठ गोविंद दास-हजारीप्रसाद द्विवेदी- (उपन्यास और कहानी साहित्य का संक्षिप्त परिचय)मिथकीय कथाकार-नरेंद्र कोहली (उपन्यास और कहानी साहित्य का संक्षिप्त परिचय)व्यंग्य कथाकार - हरिशंकर परसाई, श्रीलाल शुक्ल, नरेंद्रकोहली (उपन्यास और कहानी साहित्य का संक्षिप्त परिचय) दलित कथाकार -ओम प्रकाश वाल्मीकी-जयप्रकाश कर्दम(उपन्यास और कहानी साहित्य का संक्षिप्त परिचय)नारीवादी कथाकार - मृदुला गर्ग, चित्रा मृदगल, प्रभा खेतान-(उपन्यास और कहानी साहित्य का संक्षिप्त परिचय)मैनारिटी वादी कथाकार-मेहरुन्निसा बेगम-नासिरा शर्मा (उपन्यास और कहानी साहित्य का संक्षिप्त परिचय)।

V. बीसवीं सदी के हिदी कथा साहित्य में व्यक्त जीवन की प्रमुख समस्याएँ शोषण की समस्या-प्रगतिवाद के संदर्भ में-जीवन की मनोवैज्ञानिक समस्याएं-फ्रायड, युंग, एडलर से परिचालित-भारतीय संस्कृति की समस्याएँ-ग्रामीण जीवन की समस्याएँ-दलित जीवन की समस्याएँ- नारी जीवन की समस्याएँ- मुस्लिम मैनारिटी की समस्याए।

संदर्भ ग्रंथ -

1. हिंदी कहानी का इतिहास-1-3-डा. गोपाल शर्मा।
2. स्त्रीवादी विमर्श-समाज और साहित्य-डा.क्षमा शर्मा।
3. स्त्री विमर्श के अंतर्विरोध-प्रभाखेतान।
4. समकालीन महिला लेखन-डा.ओमप्रकाश शर्मा।
5. साठोत्तरी हिंदी लेखिकाओं की कहानियों में नारी - डा.नीरजा।

6. साठोत्तरी हिंदी लेखिकाओं की कहानियों में नारी - डा.मंगल कप्पिकेरे।
7. भारतीय नारी-दशा और दिशा—आशा रानी ओहरा।
8. अंतिम दशक की कहानियों में नारी जीवन-डा. सरिता जाधव।
9. चित्रा मृदगल एक मूल्यांकन - डा. वनजा।
10. नारी वादी विमर्श-राकेश कुमार।
11. बीसवीं दशक की कहानियों में नारी-डा.बबनराव बोडके।
12. औरत के लिए औरत-नासिरा शर्मा।
13. परिधि पर स्त्री-प्रभा खेतान।
14. हिंदी समकालीन महिला उपन्यासकार- आ. एम. वेंकटेश्वर।
15. हिंदी साहित्य के विविध आयाम- आ. शुभदा वांजपे।
16. आधुनिक हिंदी उपन्यासों में नारी के विविध रूप-डा.मोहम्मद अजहर।
17. कथाकार मधुकांकरिया-डा.सुनीता कावले।
18. आधुनिक लेखिकाओं के नगरीय परिवेश के उपन्यास-डा. पारुकांत देशायी।
19. आधुनिक युग की हिंदी लेखिकाएँ- डा.ऋषभ चरण जैन।
20. चर्चित महिला कथाकरों की कहानियाँ-स. दिनेश द्विवेदी।
21. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर।
22. प्रगतिशील साहित्य के मानदण्ड - रांगेय राघव।
23. हिन्दी उपन्यास - सुरेश सिन्हा।
24. हिन्दी उपन्यास का इतिहास - गोपाल राय।
25. हिन्दी कहानी का इतिहास (तीन खंडों में) - गोपाल राय।
26. आधुनिकता - साहित्य के संदर्भ में - गंगाप्रसाद विमल।
27. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति - देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
28. नई कहानी : प्रकृति और पाठ - सुरेंद्र चौधरी ।
29. हिंदी कहानी का विकास - मधुरेश।
30. प्रेमचंद : चिंतन और कला - सं. इंद्रनाथ मदान।
31. आज की कहानी - विजय मोहन सिंह।
32. समय और साहित्य - विजय मोहन सिंह।
33. कथा समय में तीन हमसफर - निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
34. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ - शम्भु गुप्तश, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

Core Course

HIN105: भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा का इतिहास

I. भाषा और भाषा विज्ञान, भाषा की परिभाषा एवं अभिलक्षण, भाषा का विकास, परिवर्तन और कारण, भाषा के विभिन्न स्वरूप, भाषा विज्ञान की परिभाषाएँ, बोली और भाषा।

II. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि(प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ-पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्द्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उसकी विशेषताएँ, अवहट्ट और पुरानी हिन्दी का संबंध, हिन्दी की क्षेत्रीय बोलियाँ।

III. हिन्दी भाषा के विविध रूप:हिन्दी, उर्दू, दक्खिनी, हिन्दुस्तानी। हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण, हिन्दी शब्द रचना: उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिन्दी वाक्य रचना।

IV. ध्वनि विज्ञान के अध्ययन के आयाम (उच्चारणात्मक, प्रसारण तथा श्रवणात्मक), ध्वनियों का वर्गीकरण (स्वर एवं व्यंजन), स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम व संरचना, स्वनिम के भेद, रूपिम की अवधारणा: रूपिम और स्वरूप, रूप परिवर्तन और शब्द एवं पद।

V. शब्द एवं पद में अंतर, वाक्य की परिभाषाएँ, वाक्य के प्रकार, अर्थ की व्युत्पत्ति, शब्द एवं अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण, प्रोक्ति विश्लेषण, प्रोक्ति का स्वरूप उनके कारण।

संदर्भ ग्रंथ -

1. भाषा विज्ञान- भोलानाथ तिवारी।
2. भाषा विज्ञान की भूमिका- देवेन्द्रनाथ शर्मा-।
3. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र -कपिलदेव द्विवेदी।
4. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी-सुनीतिकुमार चटर्जी।
5. आधुनिक भाषा विज्ञान-कृपा शंकर सिंह।
6. आधुनिक भाषा विज्ञान-राजमणि शर्मा।
7. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा और लिपि-राजमणि शर्मा।
8. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा-द्वारिका प्रसाद सक्सेना।
9. हिन्दी भाषा-भोलानाथ तिवारी।
10. हिन्दी भाषा की सामाजिक भूमिका-भोलानाथ तिवारी।
11. हिन्दी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण-भोलानाथ तिवारी।
12. हिन्दी भाषा विकास और स्वरुप-कैलाशचन्द्र भाटिया।
13. हिन्दी भाषा का इतिहास-धीरेन्द्र वर्मा।
14. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास-उदयनारायण तिवारी।
15. हिन्दी उद्भव विकास और रूप-हरदेवबाहरी।
16. हिन्दी भाषा इतिहास और स्वरूप- राजमणि शर्मा।
17. हिन्दी और उसकी विविध बोलियाँ-दीपचन्द जैन।
18. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ-विमलेश कांति वर्मा।

Skill Oriented Course - 1

HIN106: पत्रकारिता और जनसंचार माध्यम-1(A)

I. पत्रकारिता: अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, पत्रकारिता का आरंभिक स्वरूप और प्रमुख प्रकार, पत्रकारिता का सैद्धांतिक स्वरूप और विकास, पत्रकारिता की नई भूमिका। भारत में पत्रकारिता का आरम्भ, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास।

II. काल विभाजन, पत्रकारिता और हिन्दी भाषा, हिन्दी के प्रमुख पत्रकार, हिन्दी पत्रकारिता की दिशा, समकालीन पत्रकारिता, हिन्दी पत्रकारिता मिशन से मीडिया तक, प्रजातांत्रिक व्यवस्था का चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व, वैश्वीकरण और पत्रकारिता।

III. इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता-आकाशवाणी, दूरदर्शन, वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता, सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी पत्रकारिता।

IV. संचार-जनसंचार माध्यमः अभिप्राय, अवधारणा, स्वरूप और विकास यात्रा, आधुनिक जनसंचार माध्यम-संभावनाएँ, सीमाएँ व समस्याएँ, भारत में संचार माध्यमों का विकास, जनसंचार माध्यम के विविध रूप।

V. दूर संचार के साधनः टेलिग्राफ, टेलीप्रिण्टर, टेलेक्स, फैक्स, रेडियो, यांत्रिक संचार की क्रांति-कम्प्यूटरों का विकास, इंटरनेट और हिन्दीः चुनौतियाँ और संभावनाएं, इंटरनेट पर हिन्दी, इलेक्ट्रानिक माध्यम।

संदर्भ ग्रंथ -

1. पत्रकारिता के मूल सिद्धांत- नवीनचंद्र पंत।
2. पत्रकारिता के स्वरूप एवं प्रमुख पत्रकार- नवीनचंद्र पंत।
3. हिन्दी पत्रकारिता में राजभाषा का स्वरूप- माया त्रिपाठी।
4. हिन्दी पत्रकारिताः स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे।
5. हिन्दी पत्रकारिता का बृहद इतिहास- अर्जुन तिवारी।
6. वैज्ञानिक लेखन और पत्रकारिता- मनोज पटैरिया।
7. गणेशशंकर विद्यार्थी और हिन्दी पत्रकारिता- शम्भूनाथ।
8. हिन्दी पत्रकारिता- प्रतिभा मुदलियार।
9. पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य- जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी।
10. पत्रकारिताः परिवेश और प्रवृत्तियाँ- पृथ्वीनाथ पाण्डेय।
11. संवाद और संवाददाता- राजेन्द्र।
12. समाचार लेखन और वेब पत्रकारिता- अपूर्व कुलश्रेष्ठ प्रसून।
13. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र- रवीन्द्र शुक्ल।
14. सूचना प्रौद्योगिकी एवं पत्रकारिता- अशोक मलिक।
15. जनसंचार माध्यमों का वैचारिक परिप्रेक्ष्य- जवरीमल्ल पारख।
16. जनसंचार के सामाजिक संदर्भ-जवरीमल्ल पारख।
17. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र- रेमंड विलियम।
18. संचार माध्यम और सांस्कृतिक वर्चस्व- हरबर्ट आई.शिलर।
19. सूचना क्रांति की राजनीति और विचारधारा- सुभाष धुलिया।
20. संस्कृति विकास और संचार क्रांति- पूरनचंद जोशी।
21. संचार माध्यम और पूँजीवादी समाज- मुरली मनोहर प्रसाद सिंह।
22. जनसंचार- राधेश्याम शर्मा।
23. दृश्य-श्रव्य एवं जनसंचार माध्यम-कृष्ण कुमार रत्तू।
24. जनसम्पर्कः सिद्धांत और तकनीक-राजीव भानावत।
25. जनसंपर्क एवं संचार प्रबन्धन-सैलेशसेन गुप्ता।
26. जनसम्पर्क सिद्धांत और व्यवहार-सुशीला त्रिवेदी।
27. भारत में संचार और जनसंचार-जे.वी.विलानियम।
28. दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी-डी.डी.ओझा।
29. संचार माध्यमः तकनीक और लेखन-विजय कुलश्रेष्ठ।

Skill Oriented Course - 1

HIN106: दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन-1(B)

I. दृश्य-श्रव्य लेखन का स्वरुप और प्रमुख प्रकार। हिन्दी में दृश्य-श्रव्य लेखन का संक्षिप्त इतिहास।

II. रेडियो नाटक की प्रविधि। रंग नाटक, पाठ्यनाटक और रेडियो नाटक का अन्तर। रेडियो नाटक के प्रमुख भेद-रेडियो धारावाहिक, रेडियो रुपान्तर, रेडियो फैन्टेसी, संगीत रुपक,आलेख रुपक

(डाक्यूमेंट्री फीचर)। टी.वी.नाटक की तकनीक, टेली ड्रामा, टेली फिल्म, डाक्यूड्रामा तथा टी.वी. धारावाहिक में साम्य-वैषम्य। संचार माध्यम के अन्य विविध रुप।

III. साहित्यिक विधाओं की दृश्य-श्रव्य रुपांतरण-कला, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रसारित समाचारों के संकलन-संपादन और प्रस्तुतीकरण की प्रविधि।

IV. संचार माध्यमों द्वारा प्रसारित विज्ञापनों की भाषा,विज्ञापन फिल्मों की प्रविधि। संचार माध्यमों की भाषा।

V. हिन्दी के समक्ष आधुनिक जनसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी की चुनौतियाँ, एस.एम.एस. इन्टरनेट, ब्लॉग, ट्विटर आदि में हिन्दी भाषा का स्वरुप।

संदर्भ ग्रंथ -

1. आधुनिक जनसंचार और हिंदी - हरिमोहन।
2. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बदलते आयाम - स्मिता मिश्र, अमरनाथ 'अमर'।
3. संचार माध्यम लेखन -गौरीशंकर रैणा(वाणी प्रकाशन)।
4. दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन -राजेन्द्र मिश्र, ईशिता मिश्र(तक्षशिला प्रकाशन)।
5. मीडिया और प्रसारण -रमेश मेहरा(तक्षशिला प्रकाशन)।
6. मीडिया लेखन के सिद्धांत -एन.सी.पंत(तक्षशिला प्रकाशन)।
7. मीडिया प्रबंधन के सांस्कृतिक आयाम -टी.डी.एस.आलोक (वाणी प्रकाशन)।
8. नया मीडिया और नये मुद्दे-सुधीश पचौरी।

Skill Oriented Course - 2

HIN107: अनुवाद के सिद्धांत और प्रयोग-2(A)

I. अनुवाद का अर्थ, स्वरूप, लक्षण, महत्व, अनुवाद कला, विज्ञान या शिल्प, सफल अनुवादक के गुण और सफल अनुवाद की विशेषताएँ, अनुवाद की प्रक्रिया एवं प्रविधि, अनुवाद के क्षेत्र।

II. अनुवाद के प्रकार, साहित्यिक अनुवाद और साहित्येत्तर अनुवाद मूलनिष्ठ अनुवाद एवं मूलाधृत अनुवाद-अन्य प्रकार-शब्दानुवाद,भावानुवाद,छायानुवाद, सारानुवाद, आशु अनुवाद, वार्तानुवाद, लिप्यांतरण, पुनर्रचना।

III. इकाइयाँ और भाषा के चरण-शब्द,पदबंध,वाक्य,पाठ;सिद्धांत-समतुल्यता का सिद्धान्त,अन्तर प्रतीकात्मकता का सिद्धांत,अनुवाद युक्ति सिद्धांत,व्याख्या सिद्धांत,प्रभाव समता सिद्धांत, सांस्कृतिक ऐक्य सिद्धांत,पुनर्सृजन सिद्धांत,अनुकृति की अनुकृति सिद्धांत

IV. अनुवाद के उपकरण-बौद्धिक,भौतिक,यांत्रिक,कोश,पारिभाषिक शब्दावली,कम्प्यूटर,अनुवाद पुनरीक्षणः सम्पादन, मूल्यांकन, साहित्यिक अनुवाद की व्यावहारिक और वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ।

V. अनुवाद और भाषाविज्ञान की विभिन्न शाखाएँ,अनुवाद और व्यतिरेकी भाषा विज्ञान, अनुवाद और तुलनात्मक भाषा विज्ञान।

संदर्भ ग्रंथ -

1. अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग-कैलाशचन्द्र भाटिया।
2. अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप-कैलाशचन्द्र भाटिया।
3. अनुवाद विज्ञान-भोलानाथ तिवारी।

4. काव्यानुवाद की समस्याएँ-भोलानाथ तिवारी।
5. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ-भोलानाथ तिवारी।
6. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ-भोलानाथ तिवारी।
7. अनुवाद विज्ञान-डॉ.नगेन्द्र।
8. अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली-सुरेश कुमार।
9. वैज्ञानिक शब्दावली अनुवाद एवं मौलिक लेखन-सी.एस.टी.टी।
10. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा-डॉ.सुरेश कुमार।
11. अनुवाद भाषाएँ समस्याएँ-एन.ई. विश्वनाथ अय्यर।
12. अनुवाद का समाजशास्त्र-डॉ.सूर्यनारायण रणसुभे।
13. नाट्यानुवादः सिद्धांत और विवेचन-प्रो.ए.अच्युतन।
14. अनुवाद विज्ञान की भूमिका-कृष्ण कुमार गोस्वामी।
15. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य-रीतारानी पालीवाल।
16. अनुवादः सिद्धांत और व्यवहार-डॉ.अनुजप्रताप सिंह।
17. काव्यानुवादः सिद्धांत और समस्याएँ-नगीनचन्द्र सहगल।
18. अनुवाद विज्ञान और सम्प्रेषण-प्रो.हरिमोहन।
19. एस कंदस्वामी-अनुवाद की समस्या-जी.गोपीनाथन।

Skill Oriented Course - 2

HIN107: साहित्यालोचना की दृष्टियाँ और प्रविधियाँ -2(B)

I. काव्यशास्त्रीय, अध्यात्मिक, मिथकीय, भौतिकवादी, यथार्थवादी, स्वच्छंदतावादी, समाजवादी।

II. समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक, मार्क्सवादी, सौन्दर्यशास्त्रीय, मनोविश्लेषणवादी,अस्तित्ववादी।

III. नयी समीक्षा, आधुनिकतावादी, उत्तरआधुनिकतावादी,संरचनावादी, उत्तरसंरचनावादी, विखण्डनवादी।

IV. भाषावैज्ञानिक,शैलीवैज्ञानिक, तुलनात्मक, गाँधीवादी, लोकतांत्रिक, अम्बेडकरवादी, नारीवादी।

V. साम्राज्यवादी, औपनिवेशिकतावादी, उत्तरऔपनिवेशिकतावादी, मानवतावादी, उपभोक्तावादी, बहुसंस्कृतिवादी।

संदर्भ ग्रंथ -

1. मार्क्सवादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना-पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु।
2. सर्जनात्मक काव्यालोचन-पाण्डेयशशिभूषण शीतांशु।
3. मनोवैज्ञानिक और मिथकीय आलोचना-पाण्डेयशशिभूषण शीतांशु।
4. विसंरचनात्मक आलोचनाः अर्थ की सर्जना-पाण्डेयशशिभूषण शीतांशु।
5. चिंतन और सर्जन का समीक्षा-विवेक-पाण्डेयशशिभूषण शीतांशु।
6. डी.कंस्टवशन न बनाम विसंरचना (देरिदा तथा अन्य चिंतक)-पाण्डेयशशिभूषण शीतांशु।
7. शास्त्रवादी और स्वच्छन्दतावादी साहित्यादर्श और समीक्षा प्रणालियाँ-पी.वासवदत्ता।
8. सौंदर्यशास्त्रीय समीक्षा-एस.टी. नरसिंहाचारी।
9. प्रगतिशील हिन्दी आलोचना की प्रक्रिया-हौसिलाप्रसाद सिंह।
10. मार्क्सवादी आलोचना विशेषांक-पहल-प्रदीप सक्सेना।
11. मार्क्सवादी साहित्यालोचन की समस्याएँ-जगदीश्वर चतुर्वेदी।
12. आलोचना की मार्क्सवादी परम्परा-ललनप्रसाद सिंह।
13. समकालीन हिन्दी आलोचना-परमानन्द श्रीवास्तव।
14. समकालीन हिन्दी समीक्षा-हुकुमचन्द राजपाल।
15. समकालीन हिन्दी आलोचनाः दशा और दिशा-पशुपतिनाथ उपाध्याय।
16. हिन्दी आलोचना का उत्तर आधुनिक विमर्श-कृष्णदत्त पालोवाल।
17. उत्तर आधुनिकता और समकालीन हिन्दी आलोचना-बलिसिंह।

18. आलोचना के आधुनिकवाद और नयी समीक्षा-शिवकरण।
19. आधुनिकता उत्तरआधुनिकता एवं नवसमाज शास्त्रीय सिद्धांत-एस.एल. दोषी।
20. साहित्य में सृजन के आयाम और विज्ञानवादी दृष्टि-राजेन्द्र कुमार।
21. सौंदर्य शास्त्रः एक तत्व मीमांसीय अध्ययन-लक्ष्मीसक्सेना।
22. सौंदर्य मीमांसा-रा.भा. पाटणकर।
23. सौंदर्य मीमांसा-वी.के. गोकाक।
24. सौंदर्य तत्त्व विमर्श-एस.टी. नरसिंहाचारी।
25. मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र के प्रतिमान-रोहिताश्व।
26. मार्क्सवादी सौंदर्यशास्त्र-कमलाप्रसाद।
27. सुन्दर का स्वप्नः मार्क्सवादी सौंदर्य दृष्टि-अपूर्वानन्द।
28. साहित्य का नया सौंदर्य शास्त्र-देवेन्द्र चौबे।
29. सौंदर्य शास्त्रीय अध्ययनः ऐतिहासिक परंपरा-जगदीश सिंह मन्हास।
30. भारतीय सौंदर्यशास्त्र की भूमिका-नगेन्द्र।

Audit Course

IKS - 1

HIN108: लोक साहित्य और तेलुगु लोक साहित्य और संस्कृति-1

I. लोक साहित्य -अर्थ एवं स्वरुप,लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य - तेलुगु लोक साहित्य का ऐतिहासिक विकास, तेलुगु लोक साहित्य का वर्गीकरण, लोकगीतों की विशेषताएँ, लोक साहित्य में लोक गीतों का महत्त्व।

II. तेलुगु वीरगाथाएं-वीरगाथाओं की उत्पति एवं स्वरुप, वीरगाथाओं का वर्गीकरण, शैली और अन्य जनप्रचलित रूप, वस्तु और उसका विन्यास।

III. तेलुगु संस्कृति और संस्कृति के विविध आयाम, संस्कृति और लोक संस्कृति, तेलुगु लोक साहित्य का सांस्कृतिक अनुशीलन-लक्ष्य और पद्धति ।

IV. तेलुगु में महिला एवं श्रमिकों के गीत-लोरी के गीत, विवाह के गीत, भक्ति के गीत, श्रमिकों के गीत-जांत गीत, धान कूटने के गीत, खेती के गीत।

V. तेलुगु लोक साहित्य और सांस्कृतिक जीवन-लोक साहित्य में स्त्री, लोक साहित्य में पारिवारिक जीवन, लोक साहित्य में आर्थिक जीवन, लोक साहित्य में धार्मिक जीवन।

संदर्भ ग्रन्थ -

1. कला और संस्कृति-वासुदेव शरण अग्रवाल।
2. पृथ्वीपुत्र-डॉ.वासुदेव अग्रवाल।
3. ब्रजलोक साहित्य का अध्ययन-डॉ.सतेन्द्र ।
4. भारत की प्राचीन संस्कृति-डॉ.रामजी उपाध्याय।
5. भारत के लोक विश्वास-कृष्णदेव उपाध्याय।
6. भारतीय लोक साहित्य-डॉ.श्याम परमार।
7. भारतीय संस्कृति और उसका इतिहास-डॉ.सत्यकेतु विद्यालंकार।
8. लोकसंस्कृति-डॉ.वसंत निर्गुणे।
9. लोकसंस्कृति की रूपरेखा- डॉ.कृष्णदेव उपध्याय।
10. लोक साहित्य के प्रतिमान- डॉ.कुंदनलाल उप्रेती।
11. लोक साहित्य सिद्धान्त और प्रयोग- डॉ.श्रीराम शर्मा।
12. लोक साहित्य सिद्धान्त और प्रयोग- डॉ.रामधारी सिंह दिनकर।

13. संस्कृति के चार अध्याय- डॉ.रामधारी सिंह दिनकर।
14. सांकृतिक भारत, डॉ.भगवत शरण उपाध्याय।
15. हिंदी विश्वकोश- 12 वां खंड
16. आंध्र के मिथकीय लोक कथागीत और संस्कृति-डॉ.आई.एन.चन्द्रसशेखर रेड्डी
17. आंध्र लोक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ.आई.एन.चन्द्रसशेखर रेड्डी

तेलुगु :

18. जाती की प्रतिबिम्बमु जानापद साहित्यमु -डा.गंगाप्पा।
19. तेलुगु वीरगाथा कवित्वमु -डॉ.तन्निराला वेंकट सुब्बाराव ।
20. जानपद साहित्यमु-वीरगाथालू डॉ.तन्निराला वेंकट सुब्बाराव ।
21. तेलुगु जानपद गेय गाथालू-आ.बी.रामराजू।
22. तेलुगु जानपद गेय गाथालू -आ.नायनी कृष्ण कुमारी।
23. आंध्र जानपद गेय वांग्मय परिचयमु-श्रीहरी आदि शेशुवु ।
24. जानपद गेयमुलु-संधिग्द चरित्र-स.डॉ.वी.रामराजू और डा.नायनी कृष्ण कुमारी।

SEMESTER-II

Core Course

HIN201: हिंदी साहित्य का इतिहास-II (आधुनिक काल)

I. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना एवं हिंदी गद्य साहित्य के विकास में उसका योगदान, हिंदी का प्रारंभिक गद्य साहित्य एवं प्रारंभिक गद्यकार।

II. 1857 के स्वाधीनता संग्राम से 1947 तक:राष्ट्रीय आंदोलन, नवजागरण,भारतेंदु युग-प्रमुख साहित्यकार,रचनाएँ और सहित्यिक प्रवृत्तियाँ,हिंदी पत्रकारिता का आरंभ तथा भारतेंदुयुगीन पत्र-पत्रिकाएँ।

III. द्विवेदी युगीन हिंदी साहित्य-जागरण काल: सुधार और परिष्कार। द्विवेदी युगीन काव्य का वैशिष्ट्य। सरस्वती पत्रिका का प्रकाशन-हिंदी साहित्य पर उसका प्रभाव। द्विवेदी युगीन काव्य में राष्ट्रीयता, नीति और आदर्श, पौराणिक सन्दर्भ। प्रमुख कवि एवं उनकी रचनाएँ।

IV. स्वच्छंदतावाद और छायावाद-प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, उत्तर छायावादी काव्य, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता।

V. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं का उद्भव और विकास-कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, यात्रावृत्तांत, संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा तथा जीवनी।

संदर्भ ग्रंथ -

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास -रामचंद्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास -हजारीप्रसाद द्विवेदी।
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास -नगेन्द्र।
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास -बच्चन सिंह।
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास -श्रीकृष्ण लाल ।
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास- सुमन राजे।
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी।
8. हिंदी साहित्य - बीसवीं शताब्दी -नंददुलारे वाजपेयी।
9. हिंदी साहित्य के अस्सी वर्ष -शिवदान सिंह चौहान।
10. हिंदी का गद्य सहित्य -रामचन्द्र तिवारी ।
11. हिंदी उपन्यास का इतिहास -गोपाल राय।
12. आधुनिक भारतीय नवजागरण -शैलेन्द्र प्रसाद पांथरी।
13. हिंदी साहित्य का आधुनिक इतिहास- बच्चन सिंह।
14. हिंदी गद्य-विन्यास और विकास- रामस्वरूप चतुर्वेदी ।

Core Course

HIN202: आधुनिक हिंदी काव्य

I. मैथिलीशरण गुप्त -'साकेत'(नवम सर्ग)
जयशंकर प्रसाद -'कामायनी'(श्रद्धा, लज्जा, इडा सर्ग मात्र)।

II. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला-राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति तथा कुकुरमुत्ता, सुमित्रानंदन पन्त -'प्रथम रश्मि, महादेवी वर्मा-'बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ', और 'पंथ होने दो अपरिचित'।

III. रामधारी सिंह दिनकर -उर्वशी(तृतीय खण्ड) मुक्तिबोध -'अँधेरे में, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'-'असाध्य वीणा', तथा 'हरी घास पर क्षण भर'।

IV. नागार्जुन-(प्रतिनिधि कविताएँ, नामवर सिंह), 'अकाल और उसके बाद ', 'बादल को घिरते देखा', एवं 'शासन की बंदूक'-धर्मवीर भारती 'कविता की मौत', 'टूटा पहिया'।

V. धूमिल-मोचीराम, -भवानी प्रसाद मिश्र -गीत फरोश, सतपुड़ा के जंगल'।

पाठ्यपुस्तकें -

1. साकेतः नवम सर्ग- मैथिलीशरण गुप्त-लोकभारती, इलाहाबाद।
2. माखनलाल चतुर्वेदी-काव्यतारा-सं.डॉ.बद्रीनाथ तिवारी-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. कामायनी-जयशंकर प्रसाद-लोकभारती, इलाहाबाद।
4. तारापथ- सुमित्रानन्दन पंत-लोकभारती, इलाहाबाद।
5. संधिनी-महादेवी वर्मा- लोकभारती, इलाहाबाद।
6. रागविराग- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- लोकभारती, इलाहाबाद।
7. उर्वशी- रामधारी सिंह दिनकर-लोकभारती, इलाहाबाद।
8. प्रतिनिधि कविताएँ- हरिवंशराय बच्चन- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. प्रतिनिधि कविताएँ -नागार्जुन- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. प्रतिनिधि कविताएँ -केदारनाथ अग्रवाल- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. प्रतिनिधि कविताएँ- अज्ञेय- राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली।
12. धर्मवीर भारती-नई कविता प्रतिनिधि संकलन-डॉ.दिलीप कुमार पांडेय-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ -

1. आधुनिक हिन्दी कविता- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
2. आधुनिक हिन्दी कविता में विषय और शैली- रांगेय राघव।
3. आधुनिक कविता और युग संदर्भ-शिवकुमार मिश्र।
4. आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ-नगेन्द्र।
5. हिन्दी कविता का अतीत और वर्तमान-मैनेजर पाण्डेय।
6. आधुनिक हिन्दी कविता और आलोचना की द्वन्द्वात्मकता- कमला प्रसाद।
7. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास- हरिचरण शर्मा।
8. आधुनिक हिन्दी काव्यः रूप और संरचना- निर्मला जैन।
9. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास -नंदकिशोर नवल।
10. आधुनिक कविता का परिदृश्य- विजेन्द्रनारायण सिंह।
11. मिथिकीय कल्पना और आधुनिक काव्य-जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव।
12. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी काव्यधारा की मूल्य चेतना- अर्पणा सारस्वत-।
13. प्रतीक, प्रतीकवाद और आधुनिक हिन्दी कविता- श्रीराम चिंरागियाँ।
14. हिन्दी के श्रेष्ठ आख्यानक प्रगीत -डॉ.बलदेव।
15. हिन्दी के श्रेष्ठ आख्यानक प्रगीत -राजेन्द्र प्रसाद सिंह।
16. सत्तरोत्तरी हिन्दी कविताः संवेदना शिल्प और कवि- मनोज सोनकर।
17. मार्क्सवाद और आधुनिक हिन्दी कविता-जगदीश चतुर्वेदी।
18. छायावाद- नामवरसिंह।
19. छायावाद, प्रसाद, निराला, महादेवी और पंत- नाम

Core Course

HIN203: आधुनिक हिंदी गद्य-II (नाटक, निबंध, यात्रा वृत्तांत, आत्मकथा, जीवनी)

I. नाटक :हिन्दी नाटक का विकास -समकालीन नाटक और रंगमंच की यात्रा।

1. अंधेर नगरी-भारतेंदु हरिश्चंद्र।
2. चंद्रगुप्त - जयशंकर प्रसाद।
3. आधे-अधूरे- मोहन राकेश।
4. अंधायुग- धर्मवीर भारती।

II. निबंध: गद्य की विभिन्न विधाओं- निबंध, रेखाचित्र, यात्रा वृत्तांत, का उद्भव और विकास।

1. कविता क्या हैं -चिन्तामणि (भाग-1)रामचंद्र शुक्ल।
2. नाख़ून क्यों बढ़ते हैं-हजारीप्रसाद द्विवेदी।
3. दिल्ली दरबार दर्पण -भारतेंदु हरिश्चंद्र।
4. मेरे राम का मुकुट भीग रहा हैं-विद्यानिवास मिश्र।

III. रेखाचित्र और यात्रा वृतांत ।

1. ठकुरी बाबा'- महादेवी वर्मा।
2. यात्रा वृत्तांत -अरे यायावर रहेगा याद -अज्ञेय।

IV. आत्मकथा: हिन्दी में आत्मकथा साहित्य का विकास, दलित लेखन और मंथन।

1. मुर्दहिया-तुलसी राम।
2. दोहरा अभिशाप-कौशल्या बैसंत्री।

V. जीवनी: हिंदी में जीवनी साहित्य।

1.कलम का सिपाही-अमृत राय।

पाठ्यपुस्तकें :

1. चन्द्रगुप्त-जयशंकर प्रसाद-भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. आधे-अधूरे-मोहन राकेश-राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. दोहराअभिशाप-कौशल्या बैसंत्री-प्रमेस्वारी प्रकाशन- नई दिल्ली।
4. अंधा युग-धर्मवीर भारतीय-किताब महल, नई दिल्ली।
5. कलम का सिपाही-अमृत राय–लोकभारती प्रकाशन -दिल्ली।
6. अरे यायावर रहेगा याद-अज्ञेय-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. मुर्दहिया-तुलसी राम-राजकमल प्रकाशन - नई दिल्ली।
8. ठकुरी बाबा-महादेवी वर्मा-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. आधे-अधूरे- मोहन राकेश-राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ-

10. मोहन राकेश और उनके नाटक-गिरीश रस्तोगी।
11. हिन्दी नाटक और रंगमंच- पहचान और परख डॉ. इन्द्रनाथ मदान।
12. भारतीय नाटय-चिन्तन- डॉ.नगेन्द्र।
13. आधुनिक नाटक का मसीहा, मोहन राकेश- गोविन्द चातक।
14. हिन्दी साहित्य में निबन्ध और निबन्धकार-गंगाप्रसाद गुप्त।
15. हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार-डॉ.रामचन्दर तिवारी।

16. समकालीन हिन्दी निबन्ध-डॉ.कमलाप्रसाद।
17. हिन्दी निबन्धः इतिहास और विकास-डॉ.ऋचा द्विवेदी।
18. चिंतामणि-भाग-1-राजमल बोरा।
19. चिंतामणि विमर्श -रामकृपाल पाण्डेय।
20. आचार्य शुक्ल और चिंतामणि-प्रेमकांत टण्डन।
21. रामचन्द्र सुक्ल और उनकी चिंतामणि- गंगासहाय प्रेमी-।
22. आचार्य सुक्ल निबन्ध संरचना और चिंतन-योगेन्द्र प्रताप सिंह-।
23. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास- दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
24. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन- जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
25. दलित साहित्य: एक विमर्श-प्रो.चमनलाल ।
26. आवारा मसीहा-राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।
27. युद्ध-यात्रा- धर्मवीर भारती -वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
28. जामुन का पेड़ -कृष्ण चन्दर -कहानी-गुगल पर उपलब्ध।
29. हिन्दी नाटक- बच्चन सिंह।
30. प्रसाद के नाटक स्वरुप और संरचना -गोविन्द चातक।

Core Course

HIN204: हिंदी आलोचना साहित्य

I. आलोचना का स्वरूप, आलोचना की प्रक्रिया, सृजन और समीक्षक की संवेदना, समीक्षा के शाश्वत मूल्य, समीक्षा के भारतीय और पाश्चात्य मानदण्ड, समीक्षा की समस्याएँ, समीक्षा के विविध रूप, व्यावहारिक समीक्षा, हिन्दी आलोचना के उदय की परिस्थितियाँ, प्रारम्भिक हिन्दी आलोचना का स्वरूप, पाश्चात्य समीक्षा दृष्टि और हिन्दी आलोचना।

II. हिन्दी आलोचना का विकासक्रम, शुक्लपूर्व हिन्दी आलोचना और आलोचक, शुक्लयुगीन आलोचना का स्वरूप और आलोचक, शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना और आलोचक, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना, समकालीन हिन्दी आलोचना और प्रमुख आलोचक।

III. प्रमुख आलोचक-आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, बाबू गुलाब राय, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

IV. इलाचन्द्र जोशी, अज्ञेय, डॉ.रामविलास शर्मा, डॉ.नगेन्द्र, नलिन विलोचन वर्मा, डॉ.देवराज, मुक्तिबोध, शिवदान सिंह चौहान, अमृतराय, डॉ.रांगेयराघव, डॉ.नामवरसिंह, विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, शिवकुमार मिश्र, अशोक वाजपेयी।

V. विजयदेव नारायण साही, लक्ष्मीकांत वर्मा, देवराज, रामस्वरूप चतुर्वेदी, रघुवंश, मलयज, नेमिचन्द्र जैन, निर्मल वर्मा, इन्द्रनाथ मदान, मैनेजर पाण्डेय।

पाठ्यपुस्तकें -

1. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ-रामेश्वर खंडेलवाल-लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दी समीक्षा स्वरूप-विकास के संदर्भ-प्रो.सत्यदेव मिश्र-उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।

संदर्भ ग्रंथ -

1. हिन्दी के आलोचक- शचीरानी गुर्टू।
2. आलोचक और आलोचना -कमला प्रसाद-।
3. आलोचक और आलोचना- बच्चन सिंह-।
4. आलोचक और आलोचना- महावीर अग्रवाल-सं.।

5. आलोचक और समीक्षाएँ- सत्य प्रकाश मिश्र।
6. हिन्दी आलोचनाः शिखरों का साक्षात्कार- रामचन्द्र तिवारी।
7. हिन्दी की सैद्धांतिक आलोचना- रूपकिशोर सिन्हा।
8. हिन्दी आलोचनाः अतीत और वर्तमान- प्रभाकर माचवे।
9. हिन्दी आलोचना- विश्वनाथ त्रिपाठी।
10. हिन्दी आलोचना का विकास- मधुरेश।
11. हिन्दी आलोचनाः प्रवृत्तियाँ और आधारभूमि- रामदरश मिश्र।
12. हिन्दी आलोचना का इतिहास-मक्खनलाल शर्मा।
13. हिन्दी आलोचनाः विविध आयाम-रामकिशोर शर्मा।
14. नव्य हिन्दी समीक्षा -कृष्णवल्लभ जोशी।
15. हिन्दी समीक्षाः स्वरूप विकास के संदर्भ- प्रो.सत्यदेव मिश्र।
16. हिन्दी आलोचनाः इतिहास और सिद्धांत- योगेन्द्र प्रतापसिंह-।
17. आलोचना का विकास -नन्दकिशोर नवल।
18. हिन्दी समीक्षा सीमाएँ और संभावनाएँ- पशुपतिनाथ उपाध्याय।
19. हिन्दी समीक्षा सीमाएँ और संभावनाएँ-रामविनोद सिंह।

Core Course

HIN205: भारतीय काव्यशास्त्र

I. संस्कृत काव्यशास्त्र की आचार्य परंपरा, काव्य का स्वरूप, काव्य के लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार, काव्य भेद-काव्य और रूपक, नाटक तत्व, रूपक के भेद, नाटक के भेद, काव्य-गीतिकाव्य, खण्ड काव्य, महाकाव्य, सहृदय की अवधारणा।

II. काव्य आत्मा सम्बन्धी सिद्धांत-रस सिद्धांत, अलंकार सिद्धांत, रीति सिद्धांत, ध्वनि सिद्धांत, वक्रोक्ति और औचित्य सिद्धांत।

III. भरतमुनि का रस सूत्र और उसके प्रमुख व्याख्याकार, रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस-निष्पत्ति, साधारणीकरण, शब्द शक्तियाँ और ध्वनि का स्वरूप, अलंकार, रीति, गुण, दोष, मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब।

IV. प्राकृत और अपभ्रंशकालीन काव्यशास्त्रीय परंपरा का विकास और प्रमुख काव्यशास्त्री, अपभ्रंश कालीन काव्यशास्त्रीय चिंतन की परंपरा और उसका विकास।

V. आदिकालीन काव्य चिंतन-सिद्धों, नाथों और जैनों का काव्य चिंतन, रासो रचनाकारों, विद्यापति और अमीर खुसरो का काव्य चिंतन। मध्यकालीन आचार्यों का काव्यशास्त्रीय चिंतन-भक्तिकाल के काव्यशास्त्रीय चिंतन-संतों, सूफियों और वैष्णव कवियों का काव्यशास्त्रीय चिंतन-रीतिकालीन आचार्यों का काव्य चितंन-केशवदास, चिंतामणि, भूषण, मतिराम, देव, बिहारी, घनानन्द इत्यादि।

संदर्भ ग्रंथ -

1. भारतीय और पाश्चात्य काव्य सिद्धांत -हजारी प्रसाद द्विवेदी।
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान- हरिमोहन।
3. शब्दशक्ति संबंधी भारतीय और पाश्चात्य अवधारणा तथा हिन्दी काव्य शास्त्र- शैलेन्द्र कुमार शर्मा।
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा- तेजपाल चौधरी।

5. संस्कृत आलोचना- बलदेव उपाध्याय।
6. भारतीय काव्य शास्त्र- सत्यदेव चौधरी।
7. भारतीय समीक्षा-सिद्धांत -सूर्यनारायण द्विवेदी।
8. भारतीय काव्य शास्त्र- डॉ.तारकनाथ बाली।
9. भारतीय काव्य शास्त्र- विश्वम्भरनाथ उपाध्याय-
10. अर्द्धशती का भारतीय काव्य चिंतन- राममूर्ति त्रिपाठी।
11. भारतीय काव्य-सिध्दांत एवं काव्य-मीमांसा -त्रिभुवन राय।
12. भारतीय काव्य शास्त्र -योगेन्द्र प्रताप सिंह।
13. भारतीय काव्य शास्त्र की भूमिका- योगेन्द्र प्रताप सिंह।
14. भारतीय साहित्य शास्त्र -ब्रह्मदेव शर्मा।
15. साहित्य शास्त्र के प्रमुख पक्ष- राममूर्ति त्रिपाठी।
16. साहित्यालोचन- कृष्णदेव झारी।
17. काव्य मनोविज्ञान- कृष्णदेव झारी।
18. काव्य शास्त्र- भगीरथ मिश्र।
19. भारतीय व पाश्चात्य काव्य शास्त्र तथा हिन्दी आलोचना- रामचन्द्र तिवारी।

Skill Oriented Course - 3

HIN206: प्रयोजनमूलक हिन्दी और राजभाषा-3(A)

I. प्रयोजनमूलक हिन्दी का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, विविध प्रवृतियाँ, प्रमुख प्रयुक्ति क्षेत्र और उसकी परिव्याप्ति, संविधान में हिन्दी का स्थान, राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास, राजभाषा हिन्दी का कार्यान्वयन, राजभाषा अधिनियम-1963, 1976, राष्ट्रपति आदेश-1960, राजभाषा संकल्प-1968, कार्यालयी भाषा के रूप में हिन्दी का विकास, राजभाषा आयोग और राजभाषा संसदीय समिति और राजभाषा नीति।

II. प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख तत्व-प्रशासनिक हिन्दी का स्वरूप एवं प्रशासन के क्षेत्र-सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में राजभाषा कार्यान्वयन का स्वरूप, केन्द्र एवं राज्य सरकारों का आपसी पत्र व्यवहार एवं विभिन्न अधिकारियों, मंत्रियों मध्य संपर्क और वार्तालाप तथा प्रशासनिक पत्र व्यवहार में प्रयुक्त हिन्दी भाषा का स्वरूप, स्थिति, दशा एवं दिशा।

III. राज्य सरकारों के परस्पर आपसी पत्र व्यवहार एवं अधिकारियों के स्तर पर संपर्क एवं वार्तालाप में प्रयुक्त हिन्दी भाषा, केन्द्र सरकार द्वारा विदेशी सरकारों से संपर्क एवं पत्र व्यवहार तथा वार्तालाप में प्रयुक्त हिंदी भाषा का स्वरूप और सीमाएँ, केन्द्र सरकार के विविध मंत्रालयों एवं अधिनस्थ विभागों में प्रयुक्त तकनीकी शब्दावली, पदनाम, नाम पटल, सूचना पटल, कार्यालयी सूचनाएँ, विज्ञप्तियाँ, निविदा, नियुक्तियाँ और आवेदन आदि में हिन्दी भाषा का प्रयोग।

IV. राज्य सरकार द्वारा केन्द्र सरकार तथा अन्य राज्य सरकारों से आपसी संपर्क में प्रयुक्त भाषा के स्वरूप और अनुवाद की कठिनाइयाँ, केन्द्र एवं राज्य सरकारों के निजी कार्यालयों में स्तर पर अनुवाद की आवश्यक्ताएँ एवं कठिनाइयाँ।

V. कार्यालय पत्राचार और उसके विभिन्न रूप-संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण और आलेख का स्वरूप और महत्व और उसकी जाँच, पत्राचार एवं उसके प्रकार-कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, अर्धसरकारीपत्र, प्रस्तांकन, अनुस्मारिका, विज्ञापन, संकल्प, प्रेस, प्रेसनोट, नीलाम,

समन, वाणिज्य व्यापार के पत्र और आवेदन पत्र। टिप्पण और आलेखन, आसाधनों का पंजीकरण, आसाधनों का वितरण, विविध अधिकारियों के द्वारा टिप्पण, टिप्पण के प्रकार, टिप्पण की पद्धतियाँ।

संदर्भ ग्रंथ -

1. प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्धांत और प्रयोग-दंगल झाल्टे।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी प्रासंगिकता एवं परिदृश्य-नागलक्ष्मी।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी के आधुनिक आयाम-महेन्द्र सिंह राणा।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी-विनोद गोदरे।
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका-कैलाशनाथ पाण्डेय।
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी-माधव सोनटके।
7. प्रयोजनमूलक हिन्दीः संरचना एवं अनुप्रयोग-रामप्रकाश, दिनेश गुप्त।
8. प्रयोजनमूलक हिन्दी-रामप्रकाश, दिनेश गुप्त।
9. प्रयोगात्मक प्रयोजनमूलक हिन्दी-रामप्रकाश, दिनेश गुप्त।
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा मीडिया लेखन-बापूराव देसाई।
11. प्रयोजनमूलक हिन्दीः स्वरूप एवं व्याप्ति-तेजपाल चौधरी।
12. प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा व्यावहारिक हिन्दी-सुकुमार भंडा।रे
13. प्रयोजनमूलक हिन्दी-लक्ष्मीकांत पाण्डेय।
14. प्रयोजनमूलकः सिद्धांत और प्रयुक्ति-जितेन्द्र वत्स्य।
15. प्रयोजनमूलक हिन्दीः विविध आयाम-अम्बादास देशमुख।
16. प्रयोजनमूलक हिन्दीः अधुनातन आयाम-अम्बादास देशमुख।
17. प्रयोजनमूलक व्यवहारिक हिन्दी-ओमप्रकाश सिंहल।
18. संघ की राजभाषा-जगन्नाथ हरिबाबू कंसल।
19. राजभाषा हिन्दी-चन्द्रघर त्रिपाठी।
20. हिन्दी का नया जनक्षेत्र -सुधीश पचौरी।
21. हिन्दी भाषा का भूमंडलीकरण -सुषम वेदी।
22. विश्व पटल पर हिन्दी-सूर्यप्रसाद दीक्षित।
23. हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ- विमलेश कांति वर्मा।
24. राजभाषा हिन्दी-चंद्रशेखर त्रिपाठी।

Skill Oriented Course – 3

HIN206: तुलनात्मक अध्ययन की प्रविधि और हिंदी और तेलुगु साहित्यों का तुलनात्मक अध्ययन-3(B)

I. तुलनात्मक अध्ययन की परिभाषा,अर्थ और स्वरूप,तुलनात्मक अध्ययन और अन्य समान रूप धर्मी शब्द,तुलनात्मक इतिहास,तुलनात्मक भारतीय साहित्य,तुलनात्मक अध्ययन के प्रकार,तुलनात्मक अध्ययन में साम्य और वेषम्य,तुलनात्मक अध्ययन क्षेत्र की समस्याएँ, तुलनात्मक अध्ययन का लक्ष्य,तुलनात्मक अध्ययन और तुलनात्मक शोध।

II. हिंदी और तेलुगु साहित्य में तुलनात्मक अध्ययन की प्रमुख धाराएँ:भक्ति साहित्य की धारा,श्रृंगार और दरबारी साहित्य की धारा,आधुनिक साहित्य की धारा।

III. हिंदी और तेलुगु साहित्यों के प्रमुख तुलनात्क कवि: कबीर और वेमना,जायसी और सिद्धय्या,तुलसीदास और गोनबुद्धा रेड्डी,सूर और पोतना,तरिगोंड वेंगमांबा और मीरा बाई,कवि बिहारी और श्रीनाथ,भारतेंदु हरिश्चंद्र और कंदुकूरी वीरेशलिंगम पंतुलु,जयशंकर प्रसाद और विश्वनाथ सत्यनारायण,निराला और श्री श्री।

IV. हिंदी और तेलुगु आधुनिक काव्योंदोलनों का तुलनात्मक अध्ययन-भाव कविता और छायाबाद-अभ्युदय कविता और प्रगतिवाद- प्रयोग वाद और वचन कविता-हिंदी और तेलुगु में दलित कविता-हिंदी और तेलुगु में नारी वादी कविता-हिंदी और तेलुगु में मैनारिटी कविता

V. हिंदी और तेलुगु प्रमुख कथाकारों का तुलनात्मक अध्ययन प्रेमचंद और उन्नव लक्ष्मि नारायण-जैनेंद्रकुमार और गोपीचंद- हजारी प्रसाद द्विवेदी और नोरि नरसिंह शास्त्री- नरेंद्र कोहली और चिलकमर्ति लक्ष्मिनरसिंहम।

संदर्भ ग्रंथ -

1. तुलनात्मक अध्ययन-आ.जी.सुदंर रेड्डी।
2. तुलनात्मक अध्ययनः सीमाएँ और संभावनाएँ- आ.भीमसेन निर्मल।
3. हिंदी-तेलुगु तुलनात्मक अध्ययन-आ.पी.आदेश्वर राव।
4. तुलनात्मक अध्ययनः निकष एवं निरूपण-आई.एन.चंद्रशेखर रेड्डी।
5. तुलनात्मक अध्ययन की समस्याएँ - आ. सरगु कृष्णमूर्ती।
6. तुलनात्मक अध्ययन - डा. नगेंद्र।
7. तुलनात्मक अनुसंधान और आलोचना - डा.के. रामनाथन।
8. हिंदी और तेलुगु वैष्णव भक्ति साहित्यों का तुलनात्मक अध्ययन -डा.के.रामनाथन।
9. हिंदी और तेलुगु का आधुनिक व्यंग्य साहित्य-डा.आई.एन.चंद्रशेखर रेड्डी।
10. हिंदी में दक्षिण भारतीय साहित्य-आ. पी. विजयराघव रेड्डी।
11. हिदी कविता को आंध्रों की देन - डा.वै.लक्ष्मी प्रसाद।
12. तेलुगु साहित्य संदर्भ और समीक्षा- आ.एस.टी.नरसिंहाचारी।
13. साहित्यिक अभिरुचि और समीक्षा- आ.एस.टी.नरसिंहाचारी।
14. स्वच्छंदतावादी काव्य का तुलनात्मक अध्ययन-आ.पी.आदेश्वर राव।
15. तेलुगु भाषा और उस का साहित्य- आ.भीमसेन निर्मल।
16. तेलगु साहित्य परिमल-आ.भीमसेन निर्मल।
17. हिंदी और तेलुगु की व्यावहारिक समस्याएँ-आ.भीमसेन निर्मल।
18. भक्ति साहित्य और तुलनात्मक अध्ययन-आ.भीमसेन निर्मल।
19. हिंदी और तेलुगु की आधुनिक कविता का तुलनात्मक अध्ययन-आ.जी.सुंदर रेड्डी।
20. हिंदी और तेलुगु - एक तुलनात्मक अध्ययन- आ.जी.सुंदर रेड्डी।
21. हिदीं और तेलुगु नीति काव्य-एक तुलनात्मक अध्ययन, डा. शिवसत्यनारायण।
22. छायावाद और भाववाद- डा.पी.ए.राजु।
23. तेलुगु और हिंदी की लोकोक्तयाँ- तुलनात्मक अध्ययन-आ.वै.वेंकटरमण राव।
24. अन्नमाचार्य और सूर दास का तुलनात्मक विवेचन-डा. एम. संगमेशम।
25. हिंदी और तेलुगु की प्रगतिवादी काव्याधारओं का तुलनात्मक अध्ययन- आ.डी.रामानायुडु।

Skill Oriented Course - 4

HIN207: व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण-4(A)

I. हिन्दी वर्णमाला-ध्वनि, लिपि-स्वर और व्यंजन-परिभाषा और वर्गीकरण, अनुस्वर, विसर्ग, संयुक्त व्यंजन, बारह खडी वर्तनी और उच्चारण।

II. हिन्दी की व्याकरणिक संरचना-प्रयोग एवं वर्गीकरण-संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण, समुच्चयबोधक, सम्बन्धबोधक, विस्मयादिकः परिभाषा और प्रकार।

III. हिन्दी वाक्य विचार-वाक्य परिभाषा और प्रकार-सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य, मिश्र वाक्य, अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार, हिन्दी वाक्य रचना, पदक्रम और अन्विति, वर्तनी शुद्धिकरण।

IV. हिन्दी लिंग, वचन कारक-पुल्लिंग, स्त्रीलिंग, लिंग पहचान, लिंग निर्णय के नियम, वचन-परिभाषा और स्वरूप-एक वचन, बहु वचन, वचन परिवर्तन के नियम, कारक-परिभाषा और प्रकार, कर्ता कर्म, कारण, सम्प्रदान, अपादान, सम्बन्ध, अधिकरण, सम्बोधन।

V. हिन्दी काल अर्थ और वाच्य-काल-परिभाषा और प्रकार-वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्यत् काल, उनके भेद। अर्थ की परिभाषा और प्रकार, वाच्यःपरिभाषा और प्रकार-कर्त्तावाच्य, कर्मवाच्य, और भाववाच्य, हिन्दी शब्द रूप-तत्सम्, तद्भव, देशज और विदेशी-परिभाषा और उदाहरण।

संदर्भ ग्रंथ -

1. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण-हरदेव बाहरी।
2. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण-हेतु भारद्वाज, सत्यनारायण शर्मा।
3. संक्षिप्त हिन्दी व्याकरण-कामताप्रसाद गुरू।
4. व्याकरण मंजूषा-बदरीनाथ कपूर।
5. हिन्दी व्याकरण-प.केदारनाथ।
6. सरल हिन्दी व्याकरण एवं रचना-एन.पी.कुह्न पिल्लै।

Skill Oriented Course - 4

HIN207: सम्प्रेषण कौशल और व्यक्तित्व विकास-4(B)

I. संप्रेषण का अर्थ-संप्रेषण के विविध रूप-मौखिक संप्रेषण कौशल-लिखित आंगिक संप्रेषण - संप्रेषण प्रक्रिया।

II. सफल संप्रेषण-लिखित भाषा पर उच्चरित-लिखित भाषा के प्रकार्य -संप्रेषण के तत्व पर भाषा का प्रभाव।

III. आंगिक भाषा और संप्रेषण-शारीरिक प्रतिक्रिया-और भाषा संप्रेषण कौशल।

IV. व्यक्तिव की परिभाषा-व्यक्तिव का अर्थ -अवधारणा व्यक्तिव के प्रकार।

V. व्यक्तिव विकास का सूत्र बोलचाल की कला में सुधार-अच्छे प्रभाव को कैसे बढाएँ।

संदर्भ ग्रंथ -

1. आपके व्यक्तिव का सूत्र -लाला हरदयलाल, राजपाल प्रकाशन, नईदिल्ली, २०१५।
2. संप्रेषण कौशल और व्यक्तिव का विक- डॉ पी.राजरत्नम-2013.
3. You can win Winners don't do different things, they do things Differently® Bloomsbury Publishing India Pvt Ltd 2nd Floor, Building No. 4, DDA Complex Pocket C-6 & 7, Vasant Kunj, New Delhi 110 070. 2015.
4. Life is What You Make it -Shenoy Preeti, Srishti Publishers & Distributors, New Delhi 110 070.2011

OOTC – 1

HIN208: **OPEN ONLINE TRANSDISCIPLINARY COURSE**

Open Online Transdisciplinary Course (OOTC)- Students can choose any relevant course of his/ her choice from the online courses offered by Governmental agencies like SWAYAM, NPTEL., etc.,

*****

Audit Course

IKS – 2

HIN209: तिरुमल-तिरुपति पुण्य क्षेत्र और श्री वेंकटेश्वर-2

I. तिरुमल ..भौगोलिक विस्तार ..नामकरण..आदि बराहक्षेत्र ..वेंकटाचल ..शेषाचल..सप्त गिरि ..पौराणिक प्रमाण ..शिला तोरण ..आनंद निलय मंदिर ..स्वामी की पुष्करिणी ..शासन ..महंतों का काल ..अंग्रेजों का काल ..तिरुमल तिरुपति देवस्थान ..तिरुपति ..भौगोलिक परिचय..मुख्य मंदिर..तिरुचानुर ..गोविन्द राजा स्वामी मंदिर ..कोदंड रामालय ..कपिल तीर्थ -श्रीनिवास मंगापुरम।

II. वेंकटेश्वर-कलि युग के अवतारी पुरुष..श्री वेंकटेश्वर का धरती पर पधारना..लक्ष्मी की खोज ..तिरुचानुर में तप करना..वकुला माता का आश्रम जीवन..आकाश राज की पुत्री पद्मवती के साथ विवाह..श्री देवी और भूदेवी समेत श्री वेंकटेश्वर की शिला मूर्ती।

III. श्री वेंकटेश्वर की उत्सव मूर्ती..मूल विराट..भोग श्रीनिवास मूर्ति..कोलुवु श्रीनिवास मूर्ति ..उग्र श्रीनिवास मूर्ति..मलयप्पा स्वामी श्री पद्मावती माई..अलमेलु मंगा..व्यूह लक्ष्मी।

IV. श्रीवेंकटेश्वर के भक्त..तिरुमल नम्बी..अनंताल्वार..कुरुवु नम्बी..तोंड मान..श्री कृष्ण देवरायलू ..अच्युत देव रायलू ..रामानुजाचार्य..आल्वार भक्त।

V. श्री वेंकटेश्वर के कीर्तन कार..अन्नमाचार्य..तरिगोंड वेंगमाम्बा..आल्वार कवि..ताल्लपाक के कवि..श्री वेंकटेश्वर स्वामी के ब्रह्मोत्सव।

संदर्भ ग्रंथ –

1. श्री वेंकटेश्वर स्त्रोत्र रत्नाकरमु- सं.डा. मेडसानि मोहन।
2. तिरुपति श्री वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी)- प्रो.वै.वेंकटरमण राव, प्रो.गोपाल शर्मा।
3. श्री वेंकटाचल की महिमा- प्रो.आई.एन.चंद्रशेखर रेड्डी।
4. श्री वेंकटेश्वर तत्व और मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा- प्रो.आई.एन.चंद्रशेखर रेड्डी।
5. तरिगोंड वेंगमांबा और उन का रमा परिणयमु- प्रो.आई.एन.चंद्रशेखर रेड्डी।
6. हिंदू पुराणों की नीति कथाएँ -डा.एम.आर.राजेश्वरी।
7. श्री वेंकटेश्वर वैभव- डा.सी.पद्मावती।
8. तिरुपति यात्रा -डा.एस.टी.अरुणा।
9. श्री वेंकटेश्वर भगवान का अवतार- आ.वै.वेंकट रमण राव।
10. अन्नमाचार्य-डा.पुट्टपर्ति नाग पद्मिनी।
11. अन्नमाचार्य और सूरदास का तुलनात्मक विवेचन- डा.एम.संगमेशम।
12. तिरुपति के परिसर क्षेत्र- डा.आर.राज्य लक्ष्मी।
13. तिरुपति कथलु-आ.पेट श्री निवासुल रेड्डी।

SEMESTER- III
Core Course
HIN301: पाश्चात्य काव्य शास्त्र

I. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा।

प्लेटो -साहित्य एवं कला के संबंध में विचार, अनुकरण सिद्धांत।

अरस्तू-अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी-विवेचन तथा विरेचन सिद्धांत।

II. लोंजाइनस -उदात्त की अवधारणा।

वर्डसवर्थ - काव्य-भाषा सिद्धांत।

कॉलरिज -कल्पना और फैन्टेसी।

होरेस -औचित्य सिंद्धांत।

III. मैथ्यू आर्नल्ड -आलोचना का स्वरुप और प्रकार्य।

क्रोचे-अभिव्यंजनावाद।

टी.एस.इलियट-परम्परा की परिकल्पना और वैयक्तिक-प्रज्ञा।

IV. आई.ए.रिचर्डस -मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत तथा काव्य भाषा सिद्धांत।

सिद्धांत और वाद-, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद तथा यथार्थवाद।

V. नई समीक्षा, मिथक, फैन्टेसी, कल्पना, प्रतीकवाद तथा बिम्बवाद।

संदर्भ ग्रंथ -

1. पश्चिम का काव्य विचार-अजय तिवारी।
2. पाश्चात्य समीक्षा और समीक्षक-शेखर वर्मा।
3. पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र सिद्धांत और परिदृश्य-डॉ.नगेन्द्र।
4. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा-निर्मला जैन।
5. समीक्षा शास्त्र (पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत)-कृष्णलाल हंस।
6. पाश्चात्य काव्य शास्त्र-कृष्णवल्लभ जोशी।
7. पाश्चात्य काव्य शास्त्र-विजय बहादुर सिंह।
8. पाश्चात्य काव्य शास्त्र का इतिहास-तारकनाथ बाली।
9. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत-मैथिली प्रसाद भारद्वाज।
10. पाश्चात्य काव्य शास्त्र की रूपरेखा-प्रतापनारायण टंडन।
11. पाश्चात्य काव्य शास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद-भगीरथ मिश्र।
12. पाश्चात्य काव्य शास्त्रः अधूनातन संदर्भ-सत्यदेव मिश्र।
13. यूनानी और रोमी काव्य शास्त्र-कृष्णदत्त पालीवाल।
14. पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत-केसरीनारायण शुक्ल।
15. पाश्चात्य आलोचना-रणधीर श्रीवास्तव।
16. पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत-शांतिस्वरूप गुप्त।
17. सं.-पाश्चात्य काव्य शास्त्रः मार्क्सवादी परंपरा-मक्खनलाल शर्मा।
18. पाश्चात्य काव्य शास्त्र-विजय बहादुर सिंह।
19. पाश्चात्य समीक्षा के चार अध्याय-उदय शंकर श्रीवास्तव।
20. पाश्चात्य काव्य शास्त्रः नई प्रवृत्तियाँ-राजनाथ।
21. पाश्चात्य समालोचना-देवेन्द्र नाथ शर्मा।
22. पाश्चात्य साहित्य शास्त्र-कृष्णवल्लभ जोशी।
23. पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत-लीलाधर गुप्ता।

Core Course

HIN302: हिंदी प्रवासी साहित्य

I. प्रवासी हिंदी कविताएँ -

1. सत्येन्द्र श्रीवास्तव-खूनी खेतों के खिलाड़ी। 2. निखिल कौशिक-समझदार लोग।
3. मोहन राणा-अर्थ शब्दों में नहीं तुम्हारे भीतर हैं। 4. छुष्पा भार्गव-लंदन की बरसात।
5. डॉ.पद्मेश गुप्त-बर्लिन दीवार।

II. प्रवासी हिंदी कहानियाँ -

1. तेजेन्द्र शर्मा-कोख का किराया। 2. सुधा ओम ढींगरा-कौन सी जमीन अपनी।
3. जकिया जुबेरी-सांकल। 4. अनिल प्रभा कुमार-बे मौसम की बर्फ।
5. जयवर्मा-गुलमोहर।

III. प्रवासी हिंदी उपन्यास-अभिमन्यु अनंत-लाल पसीना, उषा प्रियंवदा-रूकोगी नहीं राधिका।

IV. प्रवासी हिंदी नाट्य साहित्य-नाटक-प्रो.हरिशंकर आदेश-देशभक्ति।

V. प्रवासी हिंदी गद्य साहित्य-यात्रा वृत्तांत-कृष्ण बिहारी नूर-सागर के इस पार से उस पार, डायरी-कृष्ण बलदेव वैद्य-ख्वाब है दिवाने का।

पाठ्यपुस्तकें -

1. प्रवासी कविताएँ-प्रवासी मन-सं.तरूण कुमार-विकास प्रकाशन,कानपुर।
2. प्रवासी कहानियाँ-प्रवासी साहित्य-सं.डॉ.एम.फिरोज खान-विकास प्रकाशन,कानपुर।
3. प्रवासी उपन्यास- लाल पसीना-अभिमन्यु अनंत-लाल -राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
4. प्रवासी उपन्यास -रूकोगी नहीं राधिका -उषा प्रियंवदा-राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली।
5. प्रवासी नाट्य साहित्य-नाटक-प्रो.हरिशंकर आदेश-देशभक्ति-विश्व हिन्दी दर्शन भाग-23
6. प्रवासी गद्य साहित्य-यात्रा वृत्तांत-कृष्ण बिहारी नूर-सागर के इस पार से उस पार।
7. डायरी-कृष्ण बलदेव वैद्य-ख्वाब है दिवाने का-राजपाल एण्ड सन्ज,दिल्ली।

संदर्भ ग्रंथ -

1. प्रवासी साहित्यःकहानी,कविता एवं समीक्षा-सं.तेजेन्द्र शर्मा, डॉ.एम.फिरोज खान-विकास प्रकाशन,कानपुर।
2. प्रवासी साहित्य का इतिहासः सिद्धांत एवं विवेचन-डॉ. बापूराव देसाई-विकास प्रकाशन, कानपुर।
3. प्रवासी साहित्य की हकीकत-सं.डॉ.एम.फिरोज खान-विकास प्रकाशन, कानपुर।
4. प्रवासी साहित्य-सं.डॉ.एम.फिरोज खान-विकास प्रकाशन, कानपुर।
5. स्त्री विमर्श की कहानियाँ : प्रवासी महिला कहानीकार-सं.डॉ.एम.फिरोज खान-विकास प्रकाशन,कानपुर।
6. प्रवासी हिन्दी उपन्यासकार-सं.डॉ.एम.फिरोज खान-विकास प्रकाशन,कानपुर।
7. भारतीय मन और प्रवासी महिला कहानीकार-सं.डॉ.एम.फिरोज खान-विकास प्रकाशन,कानपुर।
8. प्रावसी महिला कथाकार-सं.डॉ.एम.फिरोज खान-विकास प्रकाशन, कानपुर।
9. प्रवासी भारतीयों की व्यथा-कथा सं.डॉ.शगुफ्ता नियाज-विकास प्रकाशन,कानपुर।
10. प्रवासी लेखनः नयी जमीन:नया आसमान-अनिल जोशी-वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली।
11. प्रवासी हिन्दी कविताएँ:सृष्टि-अनुपमा तिवारी-विकास प्रकाशन,कानपुर।
12. प्रवासी जगत-सं.गंगाधर वानोडे-केन्द्रीय हिन्दी संस्थान,आगरा।

Core Course

HIN303:हिंदी विमर्शमूलक साहित्य

I. विमर्श (डिस्कोर्स) की परिभाषाएँ: पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ उत्तर आधुनिक प्रमुखवाद एवं चिंतक।

II. अस्मिता विमर्श (नारीवाद, दलित, आदिवासी,)भारत में दलित विमर्श।

III. दलित साहित्य का इतिहास-रचनाकार और रचनाएँ।

उपन्यास -जयप्रकाश कर्दम -छप्पर, **कहानियाँ** - मोहनदास नैमिशराय -अपना गाँव, श्योराजसिंह बेचैन –अस्थियों के अक्षर, **आत्मकथा**-ओमप्रकाश वाल्मीकि -जूठन।

IV. आदिवासी हिंदी साहित्य का इतिहास -रचनाकार और रचनाएँ।

उपन्यास -रणेंद्र -ग्लोबल गाँव के देवता, **कहानियाँ** - मंगलसिंह मुंडा -महुआ का फूल,वाल्टर भेंगरा-जंगल की ललकार।

V. नारीवादी हिंदी साहित्य का इतिहास-रचनाकार और रचनाएँ।

उपन्यास -ममता कालिया–दौड़, **कहानियाँ**-नासिरा शर्मा-मेरा घर कहाँ,चित्रा मृद्गल -सौदा।

पाठ्यपुस्तकें :

1. जूठनः ओमप्रकाश वाल्मीकि-राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, दोहरा।
2. छप्परः जयप्रकाश कर्दम-राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. ग्लोबल गांव के देवता- रणेन्द्र-भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आदिवासी कहानियाँ-सं.केदारप्रसाद मीणा-अलख प्रकाशन, जयपुर।
6. दौडः ममता कालिया-वाणी प्रकासन, नई दिल्ली।
7. आवाजें –मोहनदास नैमिशराय-श्री नटराज प्रकाशन –नई दिल्ली
8. महुआ का फूल -मंगलसिंह मुंडा-राजकमल प्रकाशन –नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ -

1. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र -ओमप्रकाश वाल्मीकि।
2. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र -शरण कुमार लिम्बाले।
3. मुख्य धारा और दलित साहित्य -ओमप्रकाश वाल्मीकि।
4. दलित साहित्य के आधार तत्व- हरपाल सिंह अरुण।
5. दलित साहित्य वेदना और विद्रोह-शरण कुमार लिम्बाले।
6. आधुनिकता के आइने में दलित -सं. अभय कुमार दुबे।
7. दलित चिंतन का विकास- धर्मवीर।
8. उपनिवेश में स्त्री-प्रभा खेतान।
9. स्त्रीत्व का मानचित्र - अनामिका।
10. स्त्रीलिंग निर्माण - मल्लिका सेनगुप्त।
11. स्त्री उपेक्षिता- सीमोन द बोउवार अनुवाद - प्रभा खेतन।
12. स्त्री अस्मिताः साहित्य और विचारधारा-जगदीश्वर चतुर्वेदी
13. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श-जगदीश्वर चतुर्वेदी
14. स्त्री विमर्शः कलम और कुदाल के कहाने-रमणिका गुप्ता
15. आदिवासीः विकास से विस्थापन-रमणिका गुप्ता राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. आदिवासी साहित्य-यात्रा- रमणिका गुप्ता राजकमल-प्रकाशन, नई दिल्ली।
17. आदिवासी कौन-रमणिका गुप्ता-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

Core Course
HIN304: तेलुगु साहित्य का इतिहास

I. तेलुगु भाषा-साहित्य का आरंभिक विकास-परिचय, तेलुगु साहित्य का आदिकाल-परिस्थितियाँ काव्यधाराएँ, नन्नया पूर्व युग, नन्नया से पूर्व की तेलुगु कविता, कवि नन्नया और उनकी रचनाएँ, नन्नया के समकालीन कवि-नारायण भट्ट, पावुलूरि मल्लना, रेवन्ना आदि, संस्कृत मार्गी कविता।

II. शैव काव्य परंपरा, शैव कवि और उनका कृतित्व, शैव काव्य की विशेषताएँ, द्विपद काव्य का विकास, तिकन्न युग-महाभारत का आंध्रीकरण, वैशिष्ट्य, रस पोषण एवं औचित्य, तिक्कन्ना की अन्य कृतियाँ, समकालीन इतर कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और काव्य रूप, एर्रना के समकालीन नाचना सोमना आदि।

III. श्रीनाथ युग-युगीन पृष्ठभूमि, श्रीनाथ का कृतित्व, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ एवं काव्य रूप, पोतना और उनका भागवतांध्रीकरण और अन्य कवि, प्रबन्ध युग-युगीन पृष्ठभूमि, श्री कृष्णदेवराय और उनके दरबार के अष्टदिग्गज कवि, प्रमुख प्रबंध कृतियाँ और अन्य कवि-यक्षगान का आरंभ।

IV. दक्षिणांध्र युग-युगीन पृष्ठभूमि, दरबारी वातावरण और श्रृंगारी प्रवृत्तियाँ, दक्षिण के नायक राजाओं की तेलुगु सेवा, पुदुकोटा में तेलुगु काव्य, चेमकूर वेंकटकवि, ईतर कवि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, तेलुगु की कवयित्रियाँ, क्रांतिकारी कवि वेमन्ना और उनकी रचनाएँ, क्षेत्रय्या और त्यागराज और अन्य कवि, ह्रास युगीन पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

V. आधुनिक तेलुगु साहित्य का उद्भव और विकास, आधुनिक भाव, अब्युदय, दिगंबर, विप्लव, वचन कविता के आंदोलनों का ऐतिहासिक विकास, कवि और रचनाएँ तथा काव्य प्रवृत्तियाँ। तेलुगु में कथा साहित्य का विकास, ऐतिहासिक पृष्ठभूमी और प्रेरणा स्त्रोत, तेलुगु कथेतर गद्य साहित्य का विकास, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और प्रेरणा स्त्रोत, तेलुगु साहित्य की अद्यतन प्रवृत्तियाँ-दलितवाद, स्त्रीवाद, अल्पसंख्यकवाद, प्रमुख साहित्यकार और रचनाएँ, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ।

संदर्भ ग्रंथ -

1. तेलुगु साहित्यः संदर्भ और समीक्षा-एस.टी.नरसिंहाचारी।
2. तेलुगु साहित्य का इतिहास-बालशौरी रेड्डी।
3. बीसवीं सदी का तेलुगु साहित्य-डॉ.आई.एन.चन्द्रशेखर रेड्डी।
4. सहस्त्र वर्षों का तेलुगु साहित्य-सं.आचार्य यार्लगड्डा लक्ष्मीप्रसाद।
5. तेलुगु साहित्य का इतिहास-सं.अमरसिंह वधान।

Core Course
HIN305: भारतीय साहित्य

I. 1. भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरुप।

2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

3. भारतीय साहित्य का तुलनात्मक इतिहास, प्रवृत्तियाँ और समकालीन स्वरुप।

II. नाटक: हयवदन (कन्नड़-गिरीश कर्नाड।

VI. उपन्यास:'1084वें की माँ'(बंगला -महाश्वेता देवी),मछुआरे-(मलयालम-तकषीशिवशंकर पिल्लै)।

IV. आत्मकथा:'रसीदी टिकट (पंजाबी-मृता प्रीतम।

V. कहानी संग्रह:प्रमुख भारतीय भाषाओं से चुनी कहानियाँ:कविता-स्वतन्त्रता का पल्लु-सुब्रह्मण्य भारती(तमिल)।

संदर्भ ग्रंथ -

1. भारतीय कविता में राष्ट्रीय चेतना।
2. भारतीय नाटक एवं रंगमंच।
3. भारतीय निबंध।
4. भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
5. स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य।
6. भारतीय कवयित्रियाँ-भाग 1 और 2
7. भारतीय कविता:तीन दशक (1961 से 1990)
8. भारतीय उपन्यास:अंतिम दशक (1991-2000)
9. हिन्दी और विभित्र भारतीय भाषाएँ (2010)
10. तुलनात्मक अध्ययन (1961-1975)
11. (उपर्युक्त सभी पुस्तकें साहित्यमाला के अंतर्गत प्रकाशन विभाग, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित)।
12. साहित्य अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पत्रिका समकालीन भारतीय साहित्य के सभी अंक।
13. History of Indian Literature (Vol.1-1800-1900AD, Vol.2 1911-1956 AD) Edited by Prof.Sisir Kumar, Sahitya Akademi, New Delhi.
14. नरेन्द्र मोहन, विभाजन की त्रासदी:भारतीय कथादृष्टि, भारतीय ज्ञानपीठ (2008)
15. सुब्रह्मण्यम भारती,संकलित गद्य एवं कविताएँ, संपादक -कृ.स्वामिनाथन,प्रकाशक-अखिल भारतीय सुब्रह्मण्यम भारती शताब्दी समारोह समिति, नई दिल्ली ।
16. https://en.wikipedia.org/wiki/Hayavadana.
17. 'रसीदी टिकट' (पंजाबी -अमृता प्रीतम) किताब घर, नई दिल्ली, 2008.
18. History of Indian Literature (Vol.1-1800-1900 AD, Vol.21911-1956 AD) Edited by Prof.Sisir Kumar, Sahitya academi, New Delhi.

Skill Oriented Course - 5

HIN306: भाषा शिक्षण के सिद्धांत और प्रयोग-5(A)

I. भाषा शिक्षण का उद्देश्य और स्वरूप, विविध आयाम-मातृभाषा, प्रथम भाषा, द्वितीय भाषा, पर भाषा, विदेशी भाषा, सम्पर्क भाषा, मातृभाषा शिक्षण और अन्य भाषा शिक्षण में अन्तर-द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा शिक्षण।

II. भाषा शिक्षण की विधियाँ:व्याकरण विधि, अनुवाद विधि, व्याकरणानुवाद विधि, तुलनात्मक विधि, मिश्र विधि, मौखिक वार्तालाप विधि, प्रत्यक्ष विधि, सर्वभाषा विधि, अभिक्रमिक स्वाध्याय विधि।

III. भाषा कौशल और उसका विकास, श्रवण, भाषण, वचन और लेखन का कौशल का स्वरूप और उनके योग्यता प्राप्ति के विविध स्वरूप।

IV. भाषा शिक्षण में उपयोगी साधन सामग्री, औपचारिक भाषा शिक्षण-आकाशवाणी, सिनेमा, दूरदर्शन आदि, भाषा शिक्षण और अभिरचना अभ्यास-आधारभूत सिद्धांत और मान्यताएँ, अभिरचना अभ्यास की सार्थकता और सीमाएँ।

V. भाषा परीक्षण और मूल्यांकन, भाषा शिक्षण में निदानात्मक और औपचारात्मक विधियाँ, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के रूप में भाषा शिक्षण, हिन्दी उच्चारण, वर्तनी और व्याकरण का शिक्षण।

संदर्भ ग्रंथ -

1. भाषा शिक्षण-रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव-वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भाषा एवं भाषा शिक्षण-1-रमाकान्त अग्निहोत्री-सं.वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भाषा एवं भाषा शिक्षण-2-रमाकान्त अग्निहोत्री -सं.वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिन्दी भाषा शिक्षण-भोलानाथ तिवारी, कैलाशचन्द्र भाटिया-साहित्य सहकार, दिल्ली।
5. हिन्दी शिक्षण की समस्याएँ-सीताराम शास्त्री-केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।
6. भारत में शिक्षण प्रणाली का विकास-डॉ. एल.बी. वाजपेयी-वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. सफल शिक्षण की सामान्य विधियाँ-डॉ. हरिवंश श्रीवास्तव-वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. संप्रेषणपरक हिन्दी भाषा शिक्षण-वैश्वा नारंग-प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
9. हिन्दी भाषा शिक्षण-भाई योगेन्द्र जीत-श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
10. मानक हिन्दी शिक्षण-डॉ.हरिवेश तरूण-प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

Skill Oriented Course - 5

HIN306:सिनेमा का अध्ययन-5(B)

I. सिनेमा : इतिहास, प्रकृति स्वरुप;सिनेमा:यूरोपीय, अमेरिकी, भारतीय, हिन्दी।

II. सिनेमा और समाज:विविध आयाम कला सिनेमा बनाम लोकप्रिय सिनेमा;सिनेमा:उद्योग, व्यवसाय।

III. सिनेमा में साहित्य:इतिहास, प्रकृति।

IV. कथा, पटकथा, गीत और संवाद।

V. सिने पत्रकारिता और सिने समीक्षा-भारतीय एवं वैश्विक परिदृश्य डाक्यूमेंट्री एवं लघु फिल्में भारत एवं विश्व के महत्वपूर्ण फिल्म निर्देशक (कम से कम एक दर्जन निर्देशक)।

संदर्भ ग्रंथ -

1. भारतीय चलचित्र का इतिहास-फिरोज रंगूनवाला, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
2. भारतीय फिल्मों की कहानी-श्री बच्चन, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
3. हिन्दी चलचित्रों में साहित्यिक उपादान-विश्वनाथ, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
4. सिनेमा एक समझ-सं.विनोद भारद्वाज, म.प्र.फि.वि.न.
5. सिनेमा की संवेदना-विजय अग्रवाल, प्रतिभा प्रतिष्ठान, दिल्ली।
6. सिनेमा और संस्कृति-राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. चलचित्र, कल और आज-सत्यजित राय, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
8. भारतीय सिने सिद्धांत-अनुपम ओझा राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. Indian film- Barnaw Ee, Oxford Press, New York.
10. Cinema and I- Rhitwik Ghatak, Roopa Publication, Kolkata.
11. How to read a Film-Monaco, James, Oxford University Press, New York.
12. Ideology of Indian Cinema-Madhav Prasad, Oxford University Press,New

York.
13. Our films, Their films- Satyajit Ray, Oriental Longman Limited, Delhi.
14. Files is Art- Ernhelm Rudolm, Roopa and Company, Kolkata.
15. Reference of Indian Cinema-Ed. Shivkumar Vasudev, ICCR, Delhi.

Skill Oriented Course - 6

HIN307:अनुसंधान के सिद्धांत और दृष्टियाँ-6(A)

I. अनुसंधान का स्वरूप, शोध का लक्ष्य, उद्धेश्य, शोधविषय का चयन, शोध कार्य की रूपरेखा, शोध के प्रकार या पद्धतियाँ।

II. विषय निर्वाचन, सामग्री-संकलन, हस्तलेखों का संकलन और उपयोग, ग्रंथालयों का उपयोग, क्षेत्रीय कार्य, साक्षात्कार, टिप्पणी व विषय ग्रहण करने की अन्य पद्धतियाँ, नोट लेखन की प्रणालियाँ।

III. रूपरेखा, विषय-सूची, प्रस्तावना, भूमिका, शोध प्रबंध का आयोजन, संपादन और प्रस्तुतिकरण, शोध प्रबन्ध की अंतिम रूपरचना, सुधार, संपादन, उपसंहार, सहायक ग्रंथों की सूची।

IV. संदर्भ-उल्लेख, पाद-टिप्पणी, परिशिष्ट, शब्दानुक्रमणिका, शोधसार।

V. शोध की समस्याएँ-तुलनात्मक साहित्यिक शोध, पाठ-संशोधन की समस्या, अनुसंधान की जटिलताएँ।

संदर्भ ग्रंथ -

1. शोध प्रविधि-मैथिलीप्रसाद भरद्वाज।
2. शोध स्वरूप एवं कार्य विधि-बैजाथ सिंहल।
3. अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र-राजमल बोरा।
4. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया-राजेन्द्र मिश्र।
5. अनुसंधानः स्वरूप एवं प्रविधि-रामगोपाल शर्मा।
6. व्यावहारिक अनुसंधान की विधियाँ और परिमाप-ओ.पी.भटनागर।
7. साहित्यिक अनुसंधान के आयाम-रवीन्द्रकुमार जैन।
8. सामाजिक अनुसंधान-राम आहुजा।
9. कम्पैरेटिव मैथोलोजी-सं.इलसे क्रेन।
10. रिसर्च मैथोलोजी-राम आहुजा।
11. साहित्यानुशीलनः विभिन्न दृष्टियाँ-सं.डॉ.दयाशंकर शुक्ल।
12. शोध प्रविधि-विनय मोहन शर्मा।
13. शोध प्रस्तुती-उमा पाण्डेय।
14. साहित्य एवं शोधः कुछ समस्याएँ-डॉ.देवराज उपाध्याय।
15. साहित्यिक अनुसंधान के प्रतिमान-नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली-डॉ.देवराज उपाध्याय।
16. शोध और समीक्षा-डॉ.विनोद गोदरे।

Skill Oriented Course - 6

HIN307:पाठ विश्लेषण, लेखन और सम्प्रेषण-6(B)

I. पाठ संगठन और विश्लेषण का तात्पर्य और युक्तियाँ

II. लेखन के विविध रुप-निबंध, शोधपरक रिपोर्टिंग, आलेख, टिप्णणी लेखन, स्तंभ लेखन, रेडियो लेखन, फीचर लेखन, पुस्तक समीक्षा, कला-समीक्षा, समाचार लेखन-संपादकीय, पाठकीय प्रतिक्रिया।

III. सम्प्रेषण कौशल का विकास -संवाद, परिचर्चा, समूहवार्ता, संगोष्ठी, गोष्ठी, मल्टीमीडिया सम्प्रेषण सुविधाओं का उपयोग (पी.पी.टी.और अन्य संसाधनों का उपयोग)।

IV. व्यवहार : प्रपत्र लेखन, पुस्तक समीक्षा, सिनेमा समीक्षा, समाचार पत्र।

V. टेलीविजन के लिए वार्ता, समाचार, फीचर, रिपोर्टिंग का स्क्रिप्ट लेखन, टेलीविजन के लिए समाचार, धारावाहिक के लिए स्क्रिप्ट लेखन, डॉक्यूमेन्ट्री आदि।

संदर्भ ग्रंथ -

1. पाठ विश्लेषण - दिलीप सिंह।
2. पाठ संपादन के सिद्धांत -कन्हैया सिंह-राजकमल प्रकाशन।
3. साहित्य का भाषिक चिंतन -रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव-राजकमल प्रकाशन।
4. पुस्तक-समीक्षा का परिदृश्य -विश्वनाथ प्रसाद तिवारी-किताब घर प्रकाशन।
5. आधुनिक हिन्दी विविध आयाम-कृष्ण कुमार गोस्वामी-आलेख प्रकाशन।

OOTC – 2
HIN 308 OPEN ONLINE TRANSDISCIPLINARY COURSE

Open Online Transdisciplinary Course (OOTC)- Students can choose any relevant course of his/ her choice from the online courses offered by Governmental agencies like SWAYAM, NPTEL., etc.,

SEMESTER – IV

OOSDC
HIN 401: OPEN ONLINE SKILL DEVELOPMENT COURSES

Open Online Skill Development Course (OOSDC) - Students can choose any Two relevant courses of his / her choice from the online courses offered by governmental agencies like SWAYAM, NPTEL, etc., to get 8 credits (with 4 credits from each course)

HIN402: PROJECT WORK:

Carrying 12 credits and **300 Marks** (Dissertation -200 marks, Seminar- 50 marks, Viva – voice – 50 marks).